जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 309 प्रभात जालोर, शुक्रवार 14 फरवरी, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका में भारी समर्थन प्राप्त हो रहा है ट्रम्प को ''डिपोर्टेशन'' नीति का सख्ती से पालन करने के लिये

पिउ रिसर्च द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार, 59 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क ट्रम्प के इस निर्णय से सहमत हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने और अमेरिकी-मैक्सिको सीमा पर सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने की राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। बड़ी संख्या में अमेरिकन लोग इन क्षेत्रों में ट्रम्प की कार्रवाइयों का समर्थन करते हैं।

प्यू रिसर्च सर्वेक्षण के अनुसार, 59 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के प्रयासों को मंजूरी देते हैं जो देश में अवैध रूप से रह रहे हैं, जिसमें से 35 प्रतिशत लोग इस नीति का मजबूत समर्थन करते हैं। इसके अतिरिक्त, 58 प्रतिशत लोग सीमा पर अधिक सैन्य बल भेजने के पक्ष में हैं। जिसमें 35 प्रतिशत लोग इस निर्णय का मजबूत समर्थन करते हैं।

- पर, ट्रम्प के ''इमिग्रेशन'' से संबंधित अन्य ''एग्ज़ीक्युटिव आदेश'' को यह समर्थन नहीं मिल रहा। उदाहरण के लिये उन प्रदेशों को केन्द्रीय सहायता (फण्डिंग) कम करने का निर्णय, जो ट्रम्प सरकार की ''डिपोर्टेशन'' नीति लागू करने में मदद नहीं करते, 52 प्रतिशत लोग इस आदेश के खिलाफ हैं।
- श्वेत अमेरिकी ट्रम्प की इन नीतियों के पक्ष में हैं, पर, अश्वेत अमेरीकियों में इन नीतियों का ज्यादा समर्थन नहीं दिख रहा। एशिया मूल के अमेरिकी, हिस्पैनिक मूल अमेरिकी नागरिकों से ज्यादा समर्थन देते नज़र आये, सर्वे के अनुसार।
- रिपब्लिकन पार्टी के 74 प्रतिशत सदस्य मानते हैं, सरकार डिपोर्टेशन नीति के तहत उपयुक्त कार्यवाही कर रही है। जबकि, 73 प्रतिशत डैमोक्रेट्स मानते हैं, ट्रम्प प्रशासन कुछ ज्यादा ही सख्ती दिख रहा है, ''डिपोर्टेशन'' के मामलों में।

हालांकि, ट्रंप के आप्रवासन संबंधी कार्यकारी आदेशों के अन्य तत्वों को जनता ने खास पसंद नहीं किया है। उदाहरण के लिए, केवल 47 प्रतिशत लोग ट्रंप के उस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जिसमें उन शहरों और राज्यों को दी जाने वाली संघीय निधि में कटौती करने का कहा गया है जो निर्वासन प्रयासों में सहायता नहीं करते, जबकि 52 प्रतिशत लोग इसका विरोध करते हैं। इसी तरह, केवल 44 प्रतिशत लोग उस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जिसमें अमेरिका में बसने की इच्छा रखने वालों के लिए शरण आवेदन पर रोक लगाने की बात की गई है, जबकि 55 प्रतिशत लोग इसका विरोध करते हैं।

जातीय और नस्लीय समूहों में भी ट्रंप की आप्रवासन नीतियों को लेकर अलग-अलग स्तर का समर्थन नज़र आया है। इसमें श्वेत वयस्कों का समर्थन सामान्य रूप से अन्य समूहों की तुलना में अधिक है, खासकर अश्वेत वयस्क प्रशासन की कार्रवाइयों के प्रति सबसे कम समर्थन दर्शाते हैं। हिस्पैनिक्स (स्पेन आदि देशों के लोग) की तुलना में एशियाई अमेरिकन्स ने ट्रम्प की नीतियों के प्रति ज्यादा समर्थन दर्शाया पर उनकी संख्या श्वेत अमेरिकन्स से कम है। जातीय समूहों में समर्थन में भिन्नताएं होने के बावजूद, राजनीतिक ध्रुवीकरण की अब भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

रिपब्लिकन के बीच, ट्रम्प की आप्रवासन कार्रवाइयों का समर्थन नस्लीय और जातीय लाइन्स से परे काफी अधिक है। उदाहरण के लिए, लगभग 91 प्रतिशत श्वेत रिपब्लिकन निर्वासन में वृद्धि का समर्थन करते हैं, और 92 प्रतिशत सीमा पर सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने का समर्थन करते हैं। हिस्पैनिक रिपब्लिकन का समर्थन कम है, जिसमें केवल 69 प्रतिशत लोग निर्वासन बढ़ाने का समर्थन करते हैं और 75 प्रतिशत सीमा पर अतिरिक्त सैन्य बलों का समर्थन करते हैं। श्वेत रिपब्लिकन ने हिस्पैनिक रिपब्लिकन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। केंद्र सरकार ने डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से हिंसा की घटनाओं से जूझ रहे मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की घोषणा की।

केंद्र ने पिछले सप्ताह राज्य के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह द्वारा इस्तीफा देने के बाद यह कदम उठाया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि यह कदम मणिपुर के राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति

- मणिपुर के राज्यपाल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के आधार राष्ट्रपति ने धारा 356 में प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की घोषणा की।

को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर उठाया गया है। राष्ट्रपति ने इस रिपोर्ट और अन्य जानकारी पर विचार करने के बाद संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद विधानसभा के सभी अधिकार राज्यपाल की शक्तियों के तहत आ जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर में पिछले डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को यकीन है, ट्रम्प से मैत्री के कारण मोदी टैरिफ और व्यापार की दिक्कतों को लांघ जाएंगे

भारत को उम्मीद है कि मोदी और ट्रम्प की मैत्री दोनों देशों की राजनीतिक साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाएगी

देश को विश्वास है कि मोदी की अमेरिका यात्रा में पहले की भांति मोदी और ट्रंप के संबंध मददगार साबित होंगे। टैरिफ व व्यापार की दिक्कतों को दूर करने के लिए।

- वॉशिंगटन डीसी पहुँचने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा, वे डॉनल्ड ट्रम्प से मिलने और भारत अमेरिका के बीच वैश्विक साझेदारी बढ़ाने के लिए बेहद उत्सुक हैं।
- प्रधानमंत्री ब्लेयर हाउस में ठहरे हैं, जहाँ भारी तादाद में प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया।

वॉशिंगटन, 13 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंच गये हैं। इस दौरान वे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प, अमेरिकी मंत्रिमंडल के सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

मोदी ने गुरुवार तड़के 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वे ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत और व्यापक द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने लिखा कि, थोड़ी देर पहले वॉशिंगटन डीसी में उतरा हूं। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प से मिलने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं। दोनों देश अपने लोगों के लाभ और हमारी दुनिया के बेहतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गौतम अडानी ने श्रीलंका के एक अरब डॉलर के पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट से ''विड्रॉ'' किया

चर्चा है कि इस प्रोजैक्ट से हटकर वे मोदी सरकार को, एक और, ''विवाद में पड़ने से बचा लेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। मोदी सरकार को और किसी तरह की शर्मिंदगी से बचने के लिए, गौतम अडानी के समूह की रिन्युबल एनर्जी कंपनी, अडानी ग्रीन एनर्जी ने श्रीलंका में प्रस्तावित दो पवन ऊर्जा परियोजनाओं को वापस लेने का निर्णय लिया है, क्योंकि श्रीलंका की नई सरकार ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कड़ी नीतियां अपनाई हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा, ''अडानी ग्रीन एनर्जी ने अपनी बोर्ड की बैठक में श्रीलंका में रिन्युबल एनर्जी विंड एनर्जी (पवन ऊर्जा) परियोजना और दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं का आगे का काम रोकने का निर्णय लिया है।''

- जब अडानी ग्रुप को यह प्रोजैक्ट मिला था, तो माना जा रहा था कि भारत सरकार की मदद से अडानी ग्रुप को यह प्रोजैक्ट मिला था।
- उस समय श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे थे, पर, उनका तख्ता पलट कर, वामपंथी विचारधारा के नज़दीकी माने जाने वाले दिशानायके नये राष्ट्रपति बने और उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा लगवाये गये सभी प्रोजैक्ट की नये सिरे से छानबीन शुरु कर दी।
- अडानी की कम्पनी ने श्रीलंका को अपने प्रोजैक्ट से 0.0826 डॉलर प्रति किलोवाट घंटा की रेट से बिजली देने का अनुबंधन किया था, पर जब से अडानी के खिलाफ अफसरों को रिश्वत देकर, भारी दाम पर बिजली बेचने का अभियोग पत्र दाखिल हुआ, श्रीलंका ने अनुबंधन को नये सिरे से देखना शुरु किया, तथा नई रेट 0.06 प्रति यूनिट निश्चित करने की तैयारी कर ली थी।

अडानी ने राजपक्षे के नेतृत्व वाली पूर्व श्रीलंकाई सरकार के कार्यकाल में ये प्रतिष्ठित परियोजनाएं हासिल की थीं। राजपक्षे शासन को बड़े पैमाने पर लोगों के विरोध के कारण उखाड़ फेंका गया था। अब राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नई वामपंथी गठबंधन सरकार पूर्व सरकार की सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा की कार्यवाही दस मार्च तक स्थगित

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। बजट सत्र का प्रथम चरण पूरा होने के बाद गुरुवार को लोव सभा की कार्यवाही 10 मार्च तक के लिये स्थगित कर दी गयी।

अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा कि बजट सत्र के प्रथम चरण के दौरान अच्छे वातावरण में चर्चा की गयी। सदन की कार्य उत्पादकता 112 प्रतिशत रही।

- स्पीकर ओम बिड़ला ने बजट सत्र में सांसदों का सक्रिय भागीदारी करने के लिए आभार जताया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में 17 घंटे 23 मिनट तक सार्थक चर्चा की गयी और इसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया।

बिरला ने कहा कि इसी तरह बजट पर 16 घंटे 13 मिनट तक चर्चा की गयी और इस दौरान 170 सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभायी।

उन्होंने कहा कि वे अपेक्षा करते हैं कि इसी तरह सदस्यों के सहयोग से सदन की कार्यवाही आगे भी सुचारु रूप से चलेगी।

'आर.पी.एस.सी. के अफसरों के पेपर लीक में लिप्त होने के कारण एस.आई.भर्ती परीक्षा को तुरंत रद्द करना गलत उदाहरण स्थापित करेगा'

राज्य सरकार का यह भी कहना है कि एक परीक्षा रद्द करने से गिरफ्तार आर.पी.एस.सी. अफसरों की देखरेख में की गई सभी परीक्षाओं को रद्द करने का दबाव बढेगा

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 13 फरवरी । राजस्थान हाईकोर्ट में एस.आई.भर्ती परीक्षा 2022 के संदर्भ में दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए अदालत को कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कई अवांछित कारणों से प्रेरित होकर याचिका दायर की हैं और याचिकाकर्ताओं का अपनी याचिका में यह संकेत करना कि राज्य सरकार मामले में जांच नहीं चाहती और परीक्षा रद्द करने के खिलाफ है, बिल्कुल ही बेबुनियाद है। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि राज्य सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पहले एस.आई.टी. द्वारा इसकी जांच कराई, फिर जांच के दौरान आर.पी.एस.सी. अफसरों की गिरफ्तारी करने में कोई संकोच नहीं दिखाया, महाधिवक्ता द्वारा इसी मामले पर विधिक सलाह भी ली और फिर छह मंत्रियों की जांच कमेटी भी बनाई। और

- ज्ञातव्य है कि आर.पी.एस.सी. अफसरों की गिरफ्तारी के बाद ही महाधिवक्ता ने सलाह दी थी कि परीक्षा को रद्द किया जाये।
- उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ताओं ने महाधिवक्ता की राय और एस.ओ.जी.की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि आपराधिक पृष्ठभूमि के कई अभ्यर्थी भी एस.आई. भर्ती के तहत पुलिस में शामिल हो गए हैं, इसलिये यह पूरी परीक्षा रद्द कर दी जानी चाहिये।
- राज्य सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ता भी मामले में लाभार्थी हैं और उन्होंने कई तथ्य छुपाकर याचिका दायर की हैं। जिससे यह चर्चा शुरू हो गई है कि पिछली गहलोत सरकार में रीट परीक्षा की जांच के लिये दायर की गई याचिकाओं की तरह ही, एक बार याचिकाओं के रद्द हो जाने के बाद किसी भी बड़े अधिकारी या नेता को गिरफ्तार नहीं किया जायेगा जांच में भी ढिलाई आ जायेगी।

आज राज्य सरकार के समक्ष इस मामले में परीक्षा रद्द करने का फैसला विचाराधीन है इसलिए याचिकाकर्ताओं की याचिका अपरिपक्व भी है।

उल्लेखनीय है कि महाधिवक्ता के समक्ष ये सभी तथ्य मौजूद थे और सभी कानूनी जटिलताओं की जानकारी थी, उसके बावजूद उन्होंने राज्य सरकार को सलाह दी थी कि वह परीक्षा को रद्द करे और 2022 के विज्ञापन के अनुसार पुनः परीक्षा ले, ताकि अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सके। न्यायाधीश समीर जैन ने भी बहस के दौरान महाधिवक्ता द्वारा दी गई विधिक सलाह का जिक्र किया और कहा कि अतिरिक्त महाधिवक्ता आर.पी.एस.सी. के कानून और उस पर राज्य सरकार के रूख के संदर्भ में जानकारी दें। कल यह बहस जारी रहेगी।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि एस.आई.भर्ती परीक्षा 2022 में पहली नियुक्तियां सितम्बर 2023 में ही दे दी गई थीं, परंतु

(शेष अंतिम पृष्ठ)

कृषि उपज मंडियों के लिए 24 करोड़ रूपए स्वीकृत

जयपुर, 13 फरवरी। किसानों एवं व्यापारियों के लिए कृषि उपज मण्डी समितियों में अधिकाधिक सुविधाएं विकसित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 24 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कृषि उपज मण्डी समिति लालसोट, भवानीमण्डी, देवली

- मु.मंत्री भजनलाल ने मंडियों के विकास कार्य के लिए यह राशि स्वीकृत की है।

एवं कोटपूतली में आधारभूत ढ ांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 27 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है। साथ ही, कृषि उपज मण्डी समिति लूणकरणसर, श्रीकरणपुर, बीकानेर (अनाज), पूगल रोड (अनाज), बीकानेर, खाजूवाला, श्रीमाधोपुर, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ एवं पदमपुर में सम्पर्क सड़कों के निर्माण कार्य के लिए 16 करोड़ 73 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। शर्मा द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ)

जाने-माने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत के लिए अब नया टारगैट है तमिलनाडु?

चर्चाओं के अनुसार, प्रशांत किशोर ने युवा फिल्म अभिनेता विजय से मुलाकात करके, तमिलनाडु की राजनीति में नई भूमिका की तलाश शुरु की है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। राजनेता प्रशांत किशोर के भीतर के राजनैतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी नज़रें तमिलनाडु की तरफ कर ली है। इस दक्षिणी राज्य में हालात यह है कि यहाँ कि एक प्रमुख द्रविड़ पार्टी अन्नाद्रमुक जो मुख्य विपक्षी दल भी है, बहुत कमज़ोर हो गई है। खासकर विभाजन के बाद।

इसके अलावा भाजपा, जिसने वहाँ छोटे-छोटे दलों का गठबंधन बनाया है, को लगता है कि वह अन्नाद्रमुक की जगह ले सकती है और आगामी चुनाव में द्रमुक का सामना कर सकती है।

एक ऐसा राज्य जहाँ राजनीति का फिल्मों से गहरा संबंध है, वहाँ प्रशांत किशोर ने एक्टर विजय से मुलाकात की। विजय ने हाल ही में अपने राजनैतिक इरादे खुलकर जाहिर किए हैं। वे राज्य में मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनना चाहते हैं। उनको लगता है कि तमिलनाडु की राजनीति में एक खालीपन है, जिसमें एक युवा एवं ऊर्जावान राजनेता वह नया बदलाव ला सकता है, जिसके लिए यह राज्य तरस रहा है।

यह तो कोई नहीं जानता कि अगर एक्टर विजय ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की तो उससे किसको नुकसान होगा और किसको फायदा होगा। एक्टर विजय और प्रशांत दोनों ने ही इस मुलाकात पर ज्यादा बात नहीं की, उन्होंने कहा, यह शिष्टाचार मीटिंग थी। यह मुलाकात विजय की पार्टी के प्रचार प्रमुख आधव अर्जुन ने आयोजित की थी।

- तमिलनाडु की राजनीति में अजीबो-गरीब स्थिति है। प्रमुख द्रविड़ पार्टी अन्नाद्रमुक लगातार अपना वोट खोती जा रही है। फिल्म स्टार विजय का मानना है कि 2026 के चुनाव में एक युवा नेता ही इस ''वैक्यूम'' को भर सकता है।
- इस महत्वाकांक्षा के तहत ही विजय, पूरे प्रदेश में अप्रैल माह में, एक सघन जनसंपर्क अभियान शुरु करेंगे तथा जगह-जगह ऑफिस खोलेंगे तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे।
- क्या प्रशांत, विजय व अन्नाद्रमुक को एक ही मंच पर लाने का काम करेंगे, जिसमें भाजपा की भी भूमिका हो सकती है।
- तीन पार्टियाँः विजय, अन्नाद्रमुक व भाजपा अच्छी तरह जानती हैं कि अगर कोई गठबंधन नहीं हुआ और विजय अकेले ही लड़े तो एन्टी द्रमुक वोटों का विभाजन होगा और द्रमुक और मजबूत होगी और फिर ढाक के वो ही तीन पात रह जायेंगे।

फिलहाल विजय अपनी पार्टी टीवीके का जनाधार बनाने में लगे है और पूरे राज्य में इसका नैटवर्क तैयार कर रहे हैं। इससे भी उनके इरादों का संकेत मिलता है। विजय तमिलनाडु में एक राजनैतिक ताकत बनना चाहते हैं और चूंकि अन्नाद्रमुक की लोकप्रियता घट रही है, इसलिए विजय की पार्टी के सफल होने की संभावना ज्यादा हैं। ऐसी स्थिति में प्रशांत किशोर अन्नाद्रमुक के लिए भी फायदेमंद हो सकते हैं, इन अफवाहों को देखते हुए कि प्रशांत किशोर इस बार जनता की अदालत में अन्नाद्रमुक का पक्ष रखेंगे। अन्नाद्रमुक, किशोर के साथ डील साईन करने के बेहद करीब है। पर सीधे

(शेष अंतिम पृष्ठ)

समरावता में ग्रामीणों पर कार्यवाही, हाई कोर्ट ने केस डायरी मांगी

जयपुर, 13 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट के लिए 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना के बाद समरावता में ग्रामीणों के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर

- समरावता में ग्रामीणों के मतदान बहिष्कार पर प्रशासनिक कार्यवाही की सीबीआई जाँच की माँग करते हुए याचिका दायर की गई है। उक्त याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने केस डायरी तलब की है।

सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर याचिका में राज्य सरकार से केस डायरी तलब की है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी ने यह आदेश दिलखुश मीणा व

(शेष अंतिम पृष्ठ)

विचार बिन्दु

हर चीज़ बदलती है, नष्ट कोई चीज़ नहीं होती। –अरविन्द घोस

अवैध प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में भेजना न केवल अवैध था अपितु अमानवीय भी तथा इस बाबत धारा 43 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 असंवैधानिक है

अमरीका में उन लोगों को अवैध प्रवासी माना जाता है जो अवैध रूप से घुसते है और बीजा नियमों की अवज्ञा करते हैं, अथवा ऐसे लोग हैं जो वैधानिक रूप से प्रवेश करते हैं, किन्तु बीजा की मियाद के बाद रूकते हैं तथा जो पैरोल की अवधि के बाद जेल नहीं लौटते व ऐसे लोग हैं जिसका कानून के अनुसार अधिकार था, किन्तु दस्तावेजात का नवीनीकरण उन्होंने नहीं कराया। लगभग सभी देशों में यही नियम है। अवैध भारतीय प्रवासियों को उनके देश भारत भेजना डिपोर्ट करना कहलाता है।

अमेरिका के नये राष्ट्रपति ट्रम्प ने शपथ लेते ही अवैध प्रवासियों पर सख्त सामूहिक निर्वासन की घोषणा की है और उन्हें एक अमेरिका सैन्य सी–17 विमान से 104 भरतीयों को भारत भेजा है, यह विमान अमृतसर उतरा है। इनके हाथों में हथकड़ी व पैरों में बेडी थी, मानो वे गुलाम हों, उन्हें भूखा प्यासा भी रखा गया। उन्हें इस प्रकार भेजा जावेगा इसकी कोई जानकारी सरकार को नहीं दी गई। प्रत्येक देश अपने नागरिकों को वापिस लाता है। भारत अपने लोगों को वापिस लाता रहा है। अमेरिका में 17940 भारतीय हैं, जिनके पास रहने के कोई डोकूमेन्टस नहीं है। गत वर्ष 1529 अवैध प्रवासी भारतीयों को वापिस भेजा था। भारत में भी घुसपैठिये बहुत हैं, जिन्हें निर्वासित किया जना है।

एजेन्ट धोखे से इन्हें सही रास्ते से नहीं अपितु 'डंकी रूट' से भी ले जाते हैं। यात्रा में पहाडी भूमि और समुद्र तक आते हैं रास्ते विकट होते हैं। डिपोर्ट भारतीयों ने आरोप लगाये कि अमेरिका में उनके साथ कैदियों से भी खराब व्यवहार किया जाता है। इन्हें सैन्य विभाग में भी बहुत कष्ट दिये गये। अमानवीय व्यवहार किया गया।

अमरीका से भारतीयों को हथकडी बेडी बांध कर भेजने पर दोनों सदनों में सरकार को घेरा और विदेश मंत्री जयशंकर को जबाव देने को बाध्य किया। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि अमरीका का अवैध भारतीय प्रवासियों की निर्वासित करने की प्रक्रिया नई बात नहीं है, यह अमरीका के नियमों के अनुसार है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह सभी देशों का कर्त्तव्य है कि उनके नागरिकों को वह अपने यहां लेवे। भारत सरकार कह चुकी है कि अवैध प्रवासियों को पहचान करने और उन्हें वापिस लेने के लिये ट्रम्प प्रशासन के साथ काम करने को तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कह दिया है कि विदेशी घोषित लोगों को निर्वासित किया जावे। डिपोर्ट करने के लिये मुहूर्त की आवश्यकता नहीं है। हिरासत केम्पों में बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन न हो।

संसद में इस संबंध में गम्भीर बहस हुई थी और सांसदों ने यहां तक कहा कि पीएम मोदी ट्रम्प के अच्छे दोस्त हैं उन्होंने फिर ऐसा व्यवहार क्यों होने दिया? देश को ऐसे लोगों को अपने जहाज से लाना चाहिये था। प्रतिपक्ष के नेता ने कहा प्रधानमंत्री को इन लोगों का दर्द सुनना चाहिये। 40 घंटों तक हथकडी व बेडी में बंधे रहने की वेदना अवर्णनीय है। इस प्रकार की घटनायें उप–निवेशिक काल की याद को ताजा करती हैं।

हथकड़ी लगाने का प्रचलन लगभग 400 बीसी का है। उस समय युद्ध के बंधियों को कन्ट्रोल किया जाता था। वर्तमान समय में हथकडी का उपयोग 1912 से किया जाने लगा, जब पुलिस स्टेशन से जेल, कैदियों को ले जाया जाता था या कोर्ट ले जाया जाता था और वापिस लाया जाता था। ब्रिटेन के शासन के समय उपनिवेशवादी सरकार स्वतंत्रता सैनानियों को हथकडी व बेड़ियों में इसलिये बांधकर रखती थी कि कही वे भागकर पुनः स्वतंत्रता आंदोलन में न जुड जावें। आजादी से पूर्व पुलिस एक्ट 1861 की धारा 12 में इन्सपेक्टर जनरल पुलिस को अधिकार दिये गये थे कि वे इस बाबत नियम बना सकते हैं। ब्रिटिश सरकार ने पुलिस रेगुलेशन बंगाल 1943 पारित कियाऔर उसमें यह व्यवस्था दी गई कि हथकडी का प्रयोग केवल बहुत अधिक आवश्यक परिस्थितियों में ही होगा, तथा महिलाओं को हथकडी नहीं लगाई जावेगी।

मानव अधिकारों की घोषणा के बाद से यह माना गया कि मानव की गरिमा अक्षुण्ण है और प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। अतः हथकडी लगाना अभद्र तरीका है, किन्तु पुलिस फिर भी अपनी शक्ति के घमण्ड में हथकडी का प्रयोग करती रही। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों से स्पष्ट निर्देश दिया कि सामान्यतः हथकडी कैदी के नहीं लगाई जावेगी, क्योंकि ऐसा करना अमानवीय है तथा नारकीय कृत्य है। यूनिवर्सल डिक्लरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स 1948 ने हथकडी लगाने से मानव को मुक्त कर दिया और स्पष्ट रूप से कहा कि सब मानव समान हैं, स्वतंत्र हैं और गरिमा मय जीवन जीने के अधिकारी हैं। किसी के साथ नारककीय व्यवहार नहीं होगा। कष्ट नहीं दिया जावेगा यानी ब्तनमस व्यवहार निषेध किया गया। यह अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त (कानून) माना जा रहा है कि व्यक्ति की गरिमा को खण्डित करने वाला कानून, दण्ड, प्रक्रिया अमानवीय है अवैध है सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णय हैं, जिनके द्वारा अब यह तय हो चुका है कि हथकडी लगाना अमानवीय कृत्य है, इससे दूर रहना ही उचित व्यवहार है।

किसी भी व्यक्ति को बिना सुनवाई का अवसर दिये, हथकडी व बेडी लगाकर डिपोर्ट करना अवैध व अमानवीय है तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों क विरूद्ध है। आवश्यक हो तो यूएनओ में भी इस हेतु उचित कार्यवाही की जानी चाहिये या इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में इस अमानवीय घटना के विरूद्ध आवाज उठानी चाहिये।

मानवीय सुप्रीम कोर्ट के बहुचर्चित केसेज में प्रेमशंकर शुक्ला बनाम दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन 1980 (3) एससीसी 526, ऐजाज रिजवी बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान (निर्णय दिनांक 8.7.2010) एल्तमश रैन एडवोकेट बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया (निर्णय दिनांक 4.8.1988), विनेश के एम बनाम स्टेट ऑफ केरल (निर्णय दिनांक 19.12.2008), खेदत मजदूर चेतना संगथ बनाम स्टेट ऑफ एमपी (निर्णय दिनांक 9.9.1994) आदि निर्णयों में हथकडी लगाने को अनुचित तथा अमानवीय और क्रूरतापूर्ण व्यवहार माना गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है केवल बहुत ही विशिष्ट परिस्थिति में ही, कोर्ट की अनुमति से ऐसा किया जा सकता है। हथकडी लगाने को अनुचित व संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 के विरूद्ध कई निर्णयों में माना है। इसे व्यक्ति के गरिमामय जीने के संवैधानिक अधिकार के विरूद्ध अमानवीय व नारकीय माना है। कुछ केसेज में अधिकारी के विरूद्ध हथकडी लगाने पर कन्टेम्पट ऑफ कोर्ट के विरूद्ध कार्यवाही भी की गई है। संविधान के अनुच्छेद 141 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के आदेश/निर्देश देश के कानून माने गये हैं। महिलाओं व बालकों को हथकडी व बेडी लगाने को न्यायालयों की आज्ञा की गम्भीर अवज्ञा माना है।

भारत के न्यायालयों ने हथकडी लगाने को व्यक्ति गरिमामय जीने के संवैधानिक अधिकार के विरूद्ध माना है इसे नारकीय (Cruel) व्यवहार भी कहा है। भारत UDHR ने स्वीकार किया है व वह कई अन्तर्राष्ट्रीय संधियों का हस्ताक्षर कर्त्ता है, फिर भी हथकडी के प्रयोग को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की (नया कानून) धारा 43(3) BNNS, 2023 के माध्यम से Re-introduce किया है। क्यों ऐसा किया समझ से परे है? धारा 43(3) में यह कहा है कि पुलिस उस धारा में बताये गये अपराध अथवा परिस्थिति में अपराधी को हथकडी लगा सकती है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय के एक दर्जन से भी अधिक केसेज में हथकडी लगाने को अनुच्छेद 14, 19 व 21 के संवैधानिक अधिकारों के विरूद्ध माना है। कुछ भी हो धारा 43(3) BNNS, 2023 उपरोक्त सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विरूद्ध होने से अवैध है, अमानवीय है व निरंकुश है। प्रार्थना है, माननीय सुप्रीम कोर्ट को स्वंय इस मामले में संज्ञान लेना चाहिये और धारा 43(3) को अवैध करार देना चाहिये। यहाँ यह लिखना भी समीचीन व आवश्यक होगा कि धारा 43 BNNS, 2023 प्रस्तुत प्रकरण पर लागू ही नहीं है।

अमेरिका का सैन्य विमान 104 अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को भारत लेकर आया वह भी हथकडी व बेडियों में और देश की सरकार जो विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति होने का दावा करती है वह केवल यह कहकर संतोष करती है कि पहले भी ऐसा होता आया है, समझ से परे है। हाँ, देश की संसद में इस घटना पर गम्भीर चिन्ता प्रकट की गई है और उचित कदम उठाने का विश्वास सरकार ने दिलाया है। यह भी ज्ञात हुआ है कि भारत ने अमेरिका से कहा है कि भारत अपने लोगों को स्वयं लेकर आयेगा। हमसे अच्छे तो ग्वाटेमाला, पेरू, मेक्सिको, कोलम्बिया के देश हैं जिन्होंने अमेरिका के विरूद्ध आवाज उठाई है। कोलम्बिया के राष्ट्रपति ने तो अमेरिका के सैन्य विमान को जो ऐसे लोगों को लेकर आया था, अपने देश के उतरने की अनुमति ही नहीं दी और अपनी शर्त पर ही भेजने पर उन्हें वापिस बुलाया।

भारत को अवैध इमीग्रेशन रैकेट पर भी कठोर कार्यवाही करनी होगी जो लाखों/करोडों रूपये लेकर भारतीयों को अमेरिका ले जाते हैं। भारत को यथासम्भव शीघ्र इस हेतु कानून बनाना होगा और उसकी पालना सुनिश्चित करनी होगी।

यह मान्य सिद्धान्त है कि अवैध प्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट किया जाता है और जिस देश के वे नागरिक हैं वह उन्हें अपने यहां ले जावें। अमेरिका के राष्ट्रपति ने अवैध भारतीय प्रवासियों को डिपोर्ट किया और यह भी नियम है कि भारत को उन्हें अपने देश यहां लाने की व्यवस्था करनी है, किन्तु यह भी सच है कि अवैध भारतीय प्रवासियों के साथ अमेरिका अमानवीय व्यवहार नहीं कर सकता। जैसा ऊपर वर्णित किया है इन लोगों को सैन्य विमान से भेजा गया है, जिसमें केवल एक टायलेट था और हथकडी व बेडियों में बंधे हुये उन्हें उसका उपयोग करना होता था, जिसे बंद भी नहीं किया जाता है। यात्रा की दास्तान दर्दभरी है। यह अमानवीय व्यवहार था, नारकीय पीडा दी जाती थी। यह कृत्य मानव अधिकारों के सर्वथा विपरीत था। मानव अधिकरों के विरूद्ध था। यह कृत्य सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 14, 19 व 21 की आज्ञा के विरूद्ध था। वस्तुतः सुप्रीम कोर्ट ने इसे मानव अधिकारों के विरूद्ध माना है। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि मानव अधिकार वे ही अधिकार हैं जो संविधान के चेप्टर 3 व 4 में वर्णित किये गये हैं। अतः भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43(3) अवैध व असंवैधानिक है। अतः शीघ्र ही इसे न्यायालय से अवैध घोषित कराकर निरस्त कराने की आवश्यकता है। किसी भी व्यक्ति को बिना सुनवाई का अवसर दिये, हथकडी व बेडी लगाकर डिपोर्ट करना अवैध व अमानवीय है तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों क विरूद्ध है। आवश्यक हो तो यूएनओ में भी इस हेतु उचित कार्यवाही की जानी चाहिये या इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में इस अमानवीय घटना के विरूद्ध आवाज उठानी चाहिये।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

बिगड़ते पाक-अफगान संबंध : भारतीय दृष्टिकोण

राजेश भूखर

2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो बलों की वापसी और तालिबान के पुनर्जन्म से पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा के साथ इस क्षेत्र का भू–राजनीतिक परिदृश्य अत्यधिक अप्रत्याशित परिवर्तन से गुजर रहा है। दक्षिण एशिया क्षेत्र में उथल–पुथल देखी जा रही है क्योंकि भारत एक तरफ अस्थिर बांग्लादेश से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहा है और दूसरी तरफ पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ अपने बदलते रिश्तों की गतिशीलता के अप्रत्याशित परिणामों से जूझ रहा है।

अफगानिस्तान–पाकिस्तान संबंध, जो कभी साझा इतिहास और आपसी हितों में निहित था, अब एक चिंताजनक स्तर तक बिगड़ गया है और तालिबान, जो कभी पाकिस्तान का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी था, अब कई मोर्चों पर एक प्रतिद्वंदी के रूप में बदल गया है। इस संबंध में गहरा बदलाव केवल तनावपूर्ण संबंधों का मामला नहीं है बल्कि यह एक पूर्ण विकसित संघर्ष का आकार ले चुका है जिसमें सैन्य संघर्ष और डूरंड रेखा पर बढ़ता तनाव शामिल है।

अफगानिस्तान में तालिबान का उदय पाकिस्तान के ऐतिहासिक रणनीतिक हितों से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान ने शुरू में संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब के साथ मिलकर सोवियत संघ के खिलाफ तालिबान को हथियार देने और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और बाद में अमेरिका और नाटो बलों का विरोध करने के लिए लॉजिस्टिक, सामग्री और नैतिक सहायता प्रदान की थी। 2021में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी, अफगान–पाक धुरी के लिए कथित जीत का क्षण से पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से पाकिस्तान के लिए स्थिति उलट गई। तालिबान की सत्ता में वापसी ने क्षेत्रीय समीकरण को बदल दिया है। तालिबान ने अब आत्मविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना दर्शाते हुए पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में डूरंड रेखा को खारिज कर दो पुराने सहयोगियों के बीच विवाद खड़ा कर दिया है।

अफगानिस्तान से संचालित हो पाकिस्तान को निशाना बनाने वाले आतंकवादी समूह तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को तालिबान के समर्थन ने पहले से ही कमजोर पाक–अफगान संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। वैचारिक मतभेदों और प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के साथ तालिबान के सहयोग की कमी के कारण आपसी विश्वास टूट गया है। वैश्विक इस्लामी आंदोलन का नेतृत्व करने की तालिबान की महत्वाकांक्षा और सीमाओं से परे अपने प्रभाव विस्तार ने पाकिस्तान के साथ प्रतिस्पर्धा में संरेखित कर तनाव को बढ़ा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ तालिबान के संबंध आश्चर्यजनक तरीके से विकसित हुए हैं, जिससे इस्लामाबाद में कई भौंहें तन गई हैं। पाकिस्तान द्वारा पर्याप्त सहायता प्रदान करने में असमर्थता को देखते हुए नया तालिबान क्षेत्रीय आर्थिक समर्थन हासिल करने में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखता है। यह आर्थिक और कूटनीतिक बदलाव पाकिस्तान के लिए एक चुनौती है और इस क्षेत्र में भारत को प्राथमिक विरोधी के रूप में देखता है।

चीन और रूस के साथ तालिबान के बढ़ते संबंध अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय वैधता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में बल देने में सक्षम बनाया जा सकता है, इस प्रकार भारत से संभावित खतरों के खिलाफ अफगानिस्तान का उपयोग पाकिस्तान के लिये मुस्किल हो जाता है। इन मुद्दों के साथ साथ पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को जटिल बनाता है। देश की सेना कई आंतरिक संघर्षों में लगी हुई है, विशेष रूप से बलूचिस्तान में। क्षेत्र में सैन्य बल घरेलू सुरक्षा चिंताओं और तालिबान से बढ़ते बाहरी खतरे दोनों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में पाकिस्तान असमर्थ है, जिससे एक अनिश्चित स्थिति पैदा हो गई है।

डूरंड रेखा पर मतभेद, दोनों पक्षों में सैन्य संघर्ष में नुकसान परिणामस्वरूप, और तालिबान का टीटीपी के प्रति समर्थन, साथ ही पाकिस्तान और तालिबान के बीच गहराते वैचारिक मतभेद पाक–अफगान संबंधों को निम्न स्तर पर ले जा रहे हैं। पाकिस्तान को एक ऐसे समय में जब इसकी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पहले से ही नाजुक है, एक बहु–क्षेत्रीय संघर्ष में उलझने का जोखिम निश्चित रूप से भारत के लिये लाभकारी स्थिति है।

भारत को अफगान–पाक सीमा के साथ बढ़ती अस्थिरता और पाक–अफगान संबंधों के निम्न स्तर के परिपेक्ष्य में क्षेत्रीय गतिशीलता का आकलन करना चाहिए। आर्थिक सहायता और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में भारत – अफगानिस्तान के बढ़ते संबंध पाकिस्तान के लिए एक कठिन स्थिति पैदा कर सकते हैं। एक मजबूत भारत–अफगान संबंध, विशेष रूप से पाकिस्तान की बढ़ती अलगाव के संदर्भ में, भारत के लिए दक्षिण एशिया क्षेत्र में प्रभाव के नए अवसर पैदा करता है।

भारत को इस लाभदायक स्थिति का लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक कूटनीति और रणनीतिक पूर्वदृष्टि के साथ एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। दक्षिण एशियाई भू–राजनीति के व्यापक संदर्भ में आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच संतुलन बनाते हुए अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के बीच हालिया बैठक ने अफगान नेतृत्व के साथ भारत के प्रभाव को बढ़ाने की मंशा की पुष्टि की है। भारत ने पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में सहायता और पुनर्निर्माण कार्य में 3 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत का मुख्य ध्यान क्षेत्रीय विकास, व्यापार और मानवतावादी सहयोग पर है और साथ ही विकासात्मक परियोजनाओं को फिर से शुरू करने और अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र और शरणार्थियों की मदद हेतु एक समझौते पर है।

भारत की पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमलों की निंदा, तालिबान द्वारा मुंबई कौंसुलेट में भारत के एक पूर्व अफगान छात्र की नियुक्ति और दुबई में भारत के विदेश सचिव और अफगान कार्यवाहक विदेश मंत्री की बैठक यह दर्शाता है अफगानिस्तान भारत को उन देशों की बढ़ती सूची में रखता है, जिसमें रूस, चीन, तुर्की, ईरान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत के लिए, तालिबान के साथ जुड़ना एक वास्तविकता है, और अफगानिस्तान और उसके लोगों की अनदेखी करना एक विकल्प नहीं है। भारत अपने ऐतिहासिक संबंधों और अफगानिस्तान के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करता है लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि क्षेत्र में तालिबान के पुनरुत्थान के साथ भारत के लिए भी कट्टरपंथीकरण का खतरा बढ़ रहा है। भारत को एक ही टोकरी (तालिबान) में सभी अंडे डालने से बचना होगा और वही गलती नहीं दोहरानी चाहिए जो हामिद करजई और शेख हसीना के मामले में की थी। पाकिस्तान की टीटीपी के खिलाफ आतंकवाद–रोधी बलों की गहरी भागीदारी भारत के लिए एक अस्थायी सैन्य लाभ पैदा कर जम्मू और कश्मीर में इसकी स्थिति को मजबूत करेगी।

अन्य देशों की तरह भारत ने भी तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है, लेकिन नई दिल्ली फिर भी काबुल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है ताकि उसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन, पश्चिम के अफगानिस्तान प्रस्थान से पैदा हुए शून्य को ना भर सके। ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास के साथ पाकिस्तान की रणनीतिक कमजोरी और उजागर हो गई है। यह बंदरगाह अफगानिस्तान को पाकिस्तान के माध्यम से जाने की आवश्यकता के बिना वैश्विक बाजारों तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। नतीजतन, अफगानिस्तान में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है, जबकि अफगान सामानों के लिए मुख्य पारगमन केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका कम हो रही है। भारत के लिए यह सही समय है कि वह पाकिस्तान और तालिबान के बीच बिगड़ते संबंधों के दृष्टिगतअपने हितों को आगे बढ़ाए।

–राजेश भूखर,
डायरेक्टर, एडब्ल्यूपीएल,
जयपुर

पांचवी बोर्ड अभ्यर्थियों का चार किलोमीटर के क्षेत्र में ही होगा परीक्षा सेंटर

शिक्षा विभाग ने 5वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी किये, 33 जिलों के आधार पर होगी मुख्य परीक्षा

- **5वीं बोर्ड परीक्षा के संचालन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 8 सदस्य जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति गठित की जाएगी**
- **परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रहे अभ्यर्थी अब 15 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 12 फरवरी निर्धारित थी**

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने 5वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य के स्कूलों में पढ़ने वाले 13 लाख से अधिक विधार्थियों की पांचवीं बोर्ड परीक्षा राज्य में 33 जिलों के डाइट के आधार पर कराई जाएगी।

5वीं बोर्ड परीक्षा के संचालन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 8 सदस्य जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति गठित की जाएगी। इस समिति का सदस्य सचिव संबंधित डायट प्राचार्य होगा। वहीं, ब्लॉक स्तर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा 6 सदस्य ही ब्लॉक स्तरीय संचालन समिति का गठन किया जाएगा। संबंधित अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय इस समिति का सदस्य सचिव होगा।

सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों को अधिकतम चार किलोमीटर की दूरी तक ही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाएगा। यदि किसी परिस्थिति में संबंधित परीक्षा केंद्र में बदलाव करना हो तो जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति की अनुशंसा के बाद जिला नोडल अधिकारी के जरिए पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा राजस्थान बीकानेर से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही केंद्र में बदलाव हो सकेगा।

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने 8वीं और 5वीं बोर्ड परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि में दूसरी बार बढ़ोतरी की है। परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रहे अभ्यर्थी अब 15 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 12 फरवरी निर्धारित थी। लेकिन निर्धारित तिथि तक आठवीं में करीब 10 हजार और 5वीं में 25 हजार अभ्यर्थी आवेदन से वंचित रह गए। छात्रहित में पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को तीन दिन के लिए बढ़ाया है। पंजीयक ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि कोई विद्यार्थी आवेदन से वंचित रहता है तो संबंधित स्तर के अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इस संबंध में समस्त सीडीईओ और डाइट प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं।

पांचवीं बोर्ड परीक्षा में अधिकतम 24 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी। वहीं उन्ही राजकीय विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा, जहां पहले से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हो।

सहायक अध्यापक अब मानदेय से वंचित नहीं रहेंगे, निर्देश जारी

- **महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूलों में संविदा पर नियुक्त है अध्यापक**

बीकानेर, (निसं)। राज्य के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग सिविल पोस्ट रूल्स 2022 के तहत लेवल वन और लेवल सैकंड के पदों पर संविदा पर कार्यरत सहायक अध्यापक अब मानदेय से वंचित नहीं रहेंगे। माध्यमिक शिक्षा के अतिरिक्त निदेशक गोपाल राम बिरड़ा ने इस संबंध में सभी शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त निदेशक ने आदेश में स्पष्ट किया है कि कोई भी संविदा सहायक अध्यापक नियमों के तहत पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने तथा मेडिकल व एनपीएस पुनर्भरण के लाभ से वंचित नहीं रहे। दरअसल, संविदा सहायक अध्यापकों को शाला दर्पण पोर्टल पर मैपिंग कराए जाने संबंधित करवाई प्रक्रियाधीन है। संविदा कर्मियों को समय पर मानदेय का भुगतान हो इस संबंध में मॉनिटरिंग संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे।

"जल ग्रहण यात्रा" का आयोजन 15 फरवरी से

भीलवाड़ा, (निसं)। जल संरक्षण को बढ़ावा देने और जलग्रहण विकास के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भीलवाड़ा जिले के विभिन्न ब्लाकों में "जल ग्रहण यात्रा 2025" का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 (जल ग्रहण घटक) के तहत 15 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रातः 11 बजे से विभिन्न ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्थलों पर आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस यात्रा में सक्रिय भाग लें और जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। जिला प्रशासन एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों के सतत विकास को सुनिश्चित करना और चारागाह विकास कार्यों को प्रोत्साहित करना है।

राशिफल शुक्रवार 14 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:09 तक, अतिगंड योग प्रातः 7:10 तक, तैतिल करण प्रातः 9:07 तक, चन्द्रमा शनिवार प्रातः 5:44 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मिथुन, बुध–कुम्भ, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सेन्ट वेलेन्टाइन दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:31 तक, लाभ–अमृत 8:31 से 11:19 तक, शुभ 12:41 से 2:04 तक, चर 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आज परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृष

घर–परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आपसी मतभेद समाप्त हो सकती है। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

मिथुन
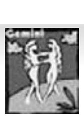
घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन हानि का भय है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
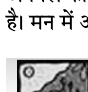
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर

शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

मीन

परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सार-समाचार

खींवसर ने अस्पतालों का निरीक्षण किया

जोधपुर, (कासं)। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने गुरुवार को मथुरादास माथुर और महात्मा गांधी अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने हॉस्पिटल में चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने हॉस्पिटल में एडमिट मरीजों, ओपीडी में आने वाले मरीजों के इलाज आदि को लेकर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं और चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर बैठक भी ली। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर गुरुवार को अचानक मथुरादास माथुर अस्पताल के निरीक्षण के लिए पहुंचे। अचानक मंत्री के पहुंचने पर अस्पताल प्रशासन में हडक्रंप मच गया। चिकित्सा मंत्री के साथ स्वास्थ्य सचिव गायत्री राठौड़ भी थी। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा किया। मंत्री खींवसर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से इलाज से जुड़ा फीडबैक लिया। अस्पतालों में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता, जांचों की स्थिति, स्टाफ, संसाधनों सहित प्रत्येक बिंदु की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अतिरिक्त संवेदनशीलता रखते हुए कार्य करें। साथ ही विभाग की और से हॉस्पिटल में चिकित्सा व्यवस्थाओं की बेहतरी को लेकर एक बैठक की गई। इसमें मरीजों के इलाज, सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक कैसे पहुंचे आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य और अधीक्षक को सभी यूनिट्स के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। इस दौरान स्वास्थ्य सचिव गायत्री राठौड़, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा, अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित भी मौजूद रहे।

रास्ते में तबियत बिगड़ी, ड्राइवर की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक 33 साल के ट्रेलर ड्राइवर की बीच रास्ते हाइवे पर तबीयत बिगड़ गई। ट्रेलर हाइवे पर उसने खड़ा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे हॉस्पिटल ले गई। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। टीपी नगर थाने के ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के 72 फीट बालाजी मंदिर के निकट हाइवे पर ओवरब्रिज पर ट्रेलर सड़क पर खड़ा करने की सूचना पर बुधवार रात करीब नौ बजे पर मौके पर पहुंचे। जहां ट्रेलर में उसका ड्राइवर अचेत हालत में मिला। उसे तुरंत इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल ले गए जहां देर रात करीब 12 बजे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद युवक की मौत के कारणों का पता चलेगा। मृतक ड्राइवर की पहचान 34 साल के इलियास पुत्र टूट्टी खान निवासी मौती बास, पीपरोली अलवर रामगढ़ निवास के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार मृतक इलियास मोरबी गुजरात से टाइल्स भरकर आसाम जा रहा था। इस दौरान पाली में 72 फीट बालाजी मंदिर के निकट हाइवे पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। ऐसे में उसे हाइवे पर ही ट्रेलर खड़ा कर दिया। जिससे की हॉस्पिटल ले जाने के लिए उसे मदद मिल सके। परिजनों ने बताया कि मृतक इलियास अलवर में किराए के मकान में अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहता था। उसकी शादी करीब 15 साल पहले हुई थी। मृतक के 13 साल की बेटी, 6 और 9 साल के दो बेटे है। उसकी अकाल मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पाली में अवैध शराब सहित दो पकड़े

पाली, (नि.सं.)। पाली में आबकारी विभाग की ओर से गुरुवार को कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों ढाबे की आड़ में अवैध रूप से मजदूरों को शराब बेचने का काम कर रहे थे। दबिश देकर पुलिस ने इनके ढाबे से करीब डेढ़ लाख रुपए के देशी- अंठोजी शराब जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया। जिला आबकारी अधिकारी मनोज बिस्सा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गुरुवार दोपहर को नया रोडवेज बस स्टैंड के पीछे एक ढाबे पर दबिश दी। जहां से गुप्त बॉक्स में छुपा रखी अंठोजी-देशी शराब, बीयर की बोतले बरामद की। मामले में केशव नगर निवासी 35 वर्षीय गोराराम पुत्र शिवलाल को गिरफ्तार किया। इसी तरह मंडिया रोड क्षेत्र में भी एक ढाबे पर दबिश दी। जहां भी देशी-अंठोजी शराब मिली। अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में मंडिया रोड निवासी 37 वर्षीय रावताराम पुत्र शिवलाल को गिरफ्तार किया। दोनों जगह से जब्त की गई देशी-अंठोजी शराब, बीयर की बाजार कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए आंकी गई। कार्रवाई के दौरान पाली शहर के सहायक आबकारी अधिकारी विकास बिट्ठू, आबकारी थानाप्रभारी रिडमलसिंह राठौड़, सिपाई मनोज ढाका, प्रेमाराम जाखड़, प्रकशित गुजराल आदि शामिल रहे।

अफीम का दूध बरामद, दो गिरफ्तार

जालोर, (नि.सं.)। महानिरीक्षक पुलिसविकासकुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के निर्देशानुसार रेंज में अवैध गतिविधियों/मादक पदार्थ/शराब तस्करी/अवैध बजरी खनन माफियाओं/वांछित अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत श्री ज्ञानचंद यादव, जिला पुलिस अधीक्षक, जालोर के निर्देशन में जिले में अवैध मादक तस्करी की रोकथाम के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जालोर एवं गौतम जैन वृताधिकारी, जालोर के निकटतम सुपरविजन में श्री अरविन्द कुमार नि.पु. थानाधिकारी कोतवाली जालोर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा दौराने गश्त एवं चैकिग संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर कॉलेज चैराहा पर 02 व्यक्तियों . मदनलाल पुर्बिया पुत्र रतनलाल पुर्बिया उम्र 24 साल निवासी बावलास पुलिस थाना राश्मी जिला चितौडगढ व . अनिल पुर्बिया पुत्र जसराज पुर्बिया उम्र 22 साल निवासी बावलास पुलिस थाना राश्मी जिला चितौडगढ को दस्तयाब कर उनके कब्जे से 496 ठाम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध बरामद किया गया। एनडीपीएस एक्ट में पुलिस थाना कोतवाली में दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

विधायकों ने नगर निगम में की जनसुनवाई

जोधपुर, (कासं)। शहरवासियों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए सूरसागर और शहर विधायकों की तरफ से शुरू की गई पहल के चौथे दिन नगर निगम उत्तर व दक्षिण की संयुक्त जनसुनवाई की गई। इसमें अधिकांश फरियादियों ने पट्टों को लेकर शिकायत की। जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली व सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी ने गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में दोनों निगम उत्तर व दक्षिण की संयुक्त जनसुनवाई की। विधायक देवेंद्र जोशी व अतुल भंसाली आज नगर निगम उत्तर की बजट बैठक में भी मौजूद रहे। बैठक के बाद उन्होंने जनसुनवाई की। फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी। विधायकों ने समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को हाथों-हाथ निस्तारण के निर्देश दिए। विधायक भंसाली व जोशी ने बताया कि जो समाधान स्थानीय स्तर पर हो रहे है, उसके लिए मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे है। शनिवार को दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक पीडब्ल्यूडी ऑफिस में सुनवाई की जाएगी।

सरस पार्लर संचालक से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड नहर रोड पर आए एक सरस पार्लर पर आकर कुछ युवकों ने संचालक से मारपीट कर चोटें पहुंचाई। इस पर संचालक ने कुछ नामजद युवकों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सेक्टर 19 निवासी पूनाराम पुत्र लुंबाराम मेघवाल ने बताया कि वह नहर रोड पर कृष्णा सरस पार्लर का संचालन करता है। यहां पर नजदीक के रहने वाले लक्ष्मणलाल, गणपत, मनीष एवं रोशनलाल आदि ने पार्लर पर आकर उससे मारपीट की और सामान को तोडफ़ोड़ दिया। पुलिस के अनुसार आपसी बोलचाल होने के बाद मारपीट की गई। आरोपी हाथ नहीं लगे है।

मुख्य सचेतक ने शोक जताया

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने डांगरा ग्राम में ओटाराम पुत्र पकाराम चौधरी एवं माण्डवला ग्राम में हडमानाराम पुत्र नैनाराम चौधरी व टीकमाराम पुत्र गोकुलजी गर्ग की असामयिक मृत्यु होने पर गुरूवार को उनके घर जाकर शोक संतप्त परिवारजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर जिला प्रमुख राजेश कुमार, उत्तम गर्ग, पुखराज राजपुरोहित, गणपतसिंह बगेड़िया, नाथूसिंह तीखी, दलीचंद खत्री, डांगरा सरपंच सोपाराम चौधरी, माण्डवला सरपंच सोहनलाल गर्ग, सवाराम चौधरी, नेमाराम चौधरी, गणेशाराम चौधरी, पकाराम चौधरी, कानाराम, नैनाराम आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने मेहरानगढ़ को निहारा

जोधपुर, (कासं)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बनाड़ जोधपुर के कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों ने गुरुवार कोशैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत मेहरानगढ़ दुर्ग और जसवंत थड़ा का भ्रमण किया। अशोक मीना, चंदन सिंह, मदन लाल सैनी, दीप्ति जीनगर, सुधीर, तनुश्री के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने इन ऐतिहासिक स्थलों के महत्त्व को जाना।

निगम उत्तर का बजट पारित, भाजपा पार्षद काली पट्टी बांधकर बैठे

जोधपुर, (कासं)। दो दिन पहले स्थगित हुए नगर निगम उत्तर का बजट गुरुवार को पारित किया गया। बैठक में महापौर कुंती परिहार ने 738.44 करोड़ रुपए का बजट पारित किया। इस दौरान भाजपा के पार्षद काली पट्टी बांध कर बैठक में शामिल हुए। दोनों पक्षों में कई मुद्दों पर हंगामा भी हुआ। शहर विधायक अतुल भंसाली ने आज भी बजट को ख्याली आंकड़ों का पुलाव होने की बात कही। बजट में किए गए प्रावधान पर अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाई।

नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार देवड़ा ने मंगलवार को पेश बजट को ही यथावत रखते हुए गुरुवार को बैठक में पढ़ा और इसे बहुमत से पारित कराया। हालांकि, बजट बैठक की शुरुआत ही सत्ता और विपक्षी पार्षदों के बीच तीखी नोकझोंक के साथ हुई और बार-बार हंगामा भी होता रहा। बजट बैठक शुरू होते ही भारतीय जनता पार्टी के पार्षद काली पट्टी बांधकर पहुंचे और उन्होंने दो दिन पहले बैठक स्थगित करने को लोकतंत्र की हत्या बताया। पहले सभी धरना देकर बैठ गए, लेकिन बाद में वापस अपनी सीटों पर चले गए। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी भी की। बजट बैठक की समाप्ति के बाद जब महापौर वहां से निकलने लगीं तो महापौर का रास्ता रोककर भी उन्होंने विरोध जताया। कांग्रेस के पार्षदों ने सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक द्वेषता के चलते नगर निगम उत्तर के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। विधायक की ओर से पट्टों का वितरण नहीं करने की बात पर कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा किया। महापौर कुंती परिहार ने कहा कि प्रदेश में सरकार बदलने के बाद यह काम बंद हुआ है। इस पर विधायक देवेंद्र जोशी ने कहा कि हम चाहते है फर्जी पट्टे नहीं बांटने चाहिए। पट्टा वितरण शुरू हो, इसके लिए मैं सरकार से बात करूंगा।

विपक्ष का काम तो खुद कांग्रेस के पार्षद कर रहे : जोशी

बजट बैठक में सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी ने कहा कि इस बोर्ड में विपक्ष का काम तो खुद कांग्रेस के पार्षद निभा रहे हैं। बजट कॉपी वितरण के बाद आपने बैठक स्थगित कर दी।

इसके बाद कांग्रेस के पार्षदों ने जोशी को घेर कर हंगामा किया। कांग्रेस के पार्षदों ने आरोप लगाया कि वो विधायक हैं, उनको सरकार से पार्षद कोटे को 50 लाख करवाना चाहिए। निगम दोनों ही शहर के हैं तो घोषणा करनी चाहिए।

बाद में विधायक अतुल भंसाली ने बीच बचाव किया, लेकिन आधे घंटे तक हंगामा चलता रहा। विधायक जोशी ने कहा कि उनके दरवाजे विकास के लिए खुले हैं।

कंपनी के इशारे पर कर रहा निगम काम : विधायक जोशी

विधायक देवेंद्र जोशी ने कहा कि बजट में आम जनता और गरीब की बात क्यों नहीं होनी चाहिए, लेकिन इस बजट में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। उन्होंने शहर में गैस पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सडक़ों को तोडऩे और बाद में इन्हें दुरुस्त नहीं कर खड्डों को खुला छोडऩे को लेकर एजीएडंपी कंपनी पर निशाना साधा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले बुधवार को भी विधायक भंसाली और विधायक जोशी ने इसी कंपनी पर निशाना साधते हुए कहा था कि निगम उत्तर हो या दक्षिण, पूरे शहर की सडक़ों को बर्बाद कर दिया गया है, लेकिन कंपनी पर कोई कार्रवाई नहीं करने से जाहिर होता है कि दोनों ही जोधपुर के नगर निगम इस एक ठेका कंपनी के इशारे पर नाच रहे हैं।

महापौर का पलटवार, निगम को साइड लाइन किया गया :

बजट के बाद मीडिया से बात करते हुए महापौर कुंती देवड़ा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नगर निगम उत्तर को साइड लाइन कर दिया गया है। अधिकारियों ने अघोषित रूप से पट्टा वितरण पर रोक लगा दी, जबकि उससे पहले हम 11 हजार पट्टे बांट चुके थे। एक साल से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अब तो नगर निगम उत्तर के लिए कोई अधिकारी नहीं है, दक्षिण के अधिकारियों के भरोसे काम चल रहा है।

उन्होंने बताया कि जिस मुद्दे पर बजट बैठक स्थगित हुई थी, उस पर आयुक्त ने वार्डों में 25-25 लाख के काम करने की निविदा जारी कर दी है।

नगर निगम का अंतिम बजट

जोधपुर नगर निगम उत्तर का यह अंतिम बजट है।

इसके बाद नगर निगम का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, क्योंकि राज्य सरकार ने अगले चुनाव के लिए जोधपुर में एक ही निगम करने की घोषणा कर दी है। इसके तहत 100 वार्ड निर्धारित किए जाएंगे।

गौरतलब है कि गहलोत सरकार ने 2020 के चुनाव में जोधपुर नगर निगम को दो हिस्सों में बांट कर नगर निगम उत्तर दक्षिण कर दिया था।

मुंसिफ कोर्ट के लिए वित्तीय स्वीकृति मांगी

सायला, (निसं)। सायला उपखण्ड मुख्यालय सायला पर मुंसिफ कोर्ट के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी करवाने की मांग को लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओं द्वारा मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023 के बजट में उपखण्ड मुख्यालय सायला पर मुंसिफ कोर्ट (सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय) खोले जाने की घोषणा की गई थी। जिस पर जिला मुख्यालय के न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सायला में जमीन का मौका मुआयना भी किया गया था। लेकिन अभी तक वित्तीय स्वीकृति जारी नही होने से उक्त न्यायालय चालु नहीं हो पाया है। ऐसे में क्षेत्र के दुरदराज के लोगों को उक्त कोर्ट से संबंधित कार्य के लिए आज भी जिला मुख्यालय तक आना-जाना पडता है। जिससे सायला क्षेत्र के आमजन को समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी हो रहा है तथा सुगम न्याय भी नहीं मिल रहा है। जबकि सरकार की मंशा सभी को सुगम न्याय प्रदान करने की रही है।

एडवोकेट भीष्मनारायण राजपुरोहित, इन्द्रसिंह दहिया, समुंदरसिंह निम्बलाना, शेखर चारण, वि मसिंह राव, चतराराम दासपां, नपाराम मेघवाल आदि मौजूद थे।

बोलेरो चोरी

जोधपुर, (कासं)। प्रतापनगर स्थित निजी अस्पताल के बाहर से एक बोलेरो कैंपर चोरी हो गई। शेरगढ़ के देवराजगढ़ निवासी अंबाराम पुत्र लखाराम प्रजापत अपने परिचित से मिलने डउकिया अस्पताल आया था। जहां बाहर उसकी बोलेरो खड़ी की थी।

जनसुनवाई में 4 प्रकरणों का निस्तारण किया

पाली, (नि.सं.)। राज्य सरकार की त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत आज गुरूवार को उपखंड स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को जिले में सभी जगह आयोजित हुयी। इसके तहत आज जिला कलैक्टर एलएन मंत्री ने जिले के रोहट ब्लॉक में जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं व प्रकरणों को सुना और 4 प्रकरणों का हाथों हाथ निस्तारण कर आमजन को राहत दी।

जिला कलक्टर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन की समस्याओं का जल्द समाधान करें और उन्हें राहत प्रदान करें। इस अवसर पर उन्होंने जनसुनवाई में पानी, बिजली आदि से जुड़े 7 प्रकरणों को सुना और संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिये।

इस अवसर पर जिला कलक्टर मंत्री ने वहां ब्लॉक लेवल के अधिकारियों से विभागीय कार्या योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और आमजन से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ उठाने के लिये कहा। जनसुनवाई में उपखंड अधिकारी रोहट पूरण कुमार, विकास अधिकारी मनमोहन मीणा व अन्य ब्लॉक लेवल अधिकारी और कार्मिक व आमजन मौजूद रहे।

जिला कलक्टर मंत्री ने आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बान्डाई का औचक निरीक्षण किया और स्कूल की व्यवस्थाओं का जायाजा लिया और वहां उपलब्ध संसाधनों, रजिस्टर, स्टॉफ, सुझाव व समस्याओं की जानकारी ली।

इस अवसर पर वे विद्यार्थियों से रूबरू हुये और उनसे अध्ययन की जानकारी लेकर उनसे पढाई के बारे में रोचक प्रश्न पूछे और जीवन प्रेरक बातों के बारे में बताया और जीवन में मेहनत कर आगे बढ़ने के लिये कहां साथ शिक्षा का स्तर जानने का प्रयास किया और वहां मिड डे मील की गुणवत्ता का चख कर परीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिये।

खारडा पीएचसी का औचक निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वहां दवाइयों, उपचार, रोगियों के बारे में, विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया और पंजिका का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया जिला कलक्टर ने इस अवसर पर रोगियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली और उपस्थित कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिये।

साथ ही वहां बिना प्रार्थना पत्र के अवकाश पर मिले दो कर्मचारी को नोटिस देने के निर्देश दिये। इस अवसर पर संबंधित कार्मिक मौजूद रहे।

विधिक सचिव भाटी ने वृद्धाश्रम का जायजा लिया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी द्वारा सेवा समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पाली की विजिट कर वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

सचिव भाटी द्वारा वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से पृथक-पृथक रूप से वार्तालाप कर भोजन-पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई।

विजिट के दौरान रसोई की सफाई, कमरों की सफाई, स्नानघर एवं शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था उत्तम पाई गई। प्रमोद जैथलिया अध्यक्ष वृद्धाश्रम सेवा समिति पाली ने वृद्धाश्रम के भवन एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में सचिव को विस्तार से जानकारी दी गई। वृद्धाश्रम में वर्तमान में 76 वरिष्ठ नागरिक आवासित है, जिनके रहने के लिए पृथक-पृथक कक्ष, बेड, पुस्तकालय इत्यादि की व्यवस्था है। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम में फिजियोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध है, जहां मरीजों की विषय-विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाती है। इसके अतिरिक्त आयुर्वेदिक उपचार भी उपलब्ध करवाया जाता हैं तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवायी जाती है। वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को संतुलित पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जाता है। सचिव भाटी द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, नालसा एवं रालसा द्वारा जारी वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। इस दौरान वृद्धाश्रम के अध्यक्ष प्रमोद जैथलिया, रमेश बाबानी आदि उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

प्रथम शुद्धि पत्र

(First Corrigendum letter)

No.1EL/JU/WC/2024-25/ 52 Dated - 13.02.2025

इस कार्यालय द्वारा ज्ञापित निविदा सं0 52 of 2024–25 कार्य का विवरण – Electrical work in connection with (i) replacement of 12 unit Type-II & 2-unit Type-III quarters on condition basis at Barmer (ii) replacement of 12 unit Type-II quarters on condition basis at Balotra (iii) improvement of water supply arrangements by providing RO plants, replacement of old corroded pipeline & U/G water tank at Jalore, Modran & Raniwara में निविदा सं0 52 of 2024-25 **खुलने की तिथी 06.03.2025 के स्थान पर 07.03.2025 पढा जावे,** अन्य सभी शर्ते एवं नियम यथावत रहेंगें । विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें ।

मंडल रेल प्रबन्धक/बिजली

186-CR/25 उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

तीन दिवसीय सेक्रेड स्पिरिट फेस्टिवल आज से

जोधपुर, (कासं)। मेहरानगढ़ म्युज़ियम ट्रस्ट द्वारा 16 वें सेक्रेड स्पिरिट फेस्टिवल (एसएसएफ) 14 से 16 फरवरी तक ऐतिहासिक महरानगढ़ दुर्ग में आयोजित किया जाएगा।

इस फेस्टिवल में आए देशी-विदेशी कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे।

उत्सव की घोषणा करते हुए फेस्टिवल के संरक्षक पूर्व नरेश गजसिंह द्वितीय मारवाड़-जोधपुर कहते हैं, "हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 14 फरवरी, 2025 से 16 फरवरी, 2025 तक महरानगढ़ किले में सेक्रेड स्पिरिट फेस्टिवल का 16वां संस्करण आयोजित किया जाएगा। जोधपुर में महरानगढ़ किला, अपने सदियों पुराने इतिहास और आश्चर्यजनक वास्तुकला के साथ, दुनिया भर की संगीत परंपराओं के सम्मिश्रण के लिए एक शानदार कैनवास प्रदान करता है। यह संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिकता का एक अद्भुत मिश्रण है, जो उपस्थित लोगों को मारवाड़ की संगीतमय परम्परा और विरासत की समृद्धि का अनुभव कराता है। राजस्थानी संगीतकारों और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के बीच जुगलबंदी सेक्रेड स्पिरिट फेस्टिवल के सबसे रोमांचक पहलुओं में से एक है। यह एक सुंदर प्रतिनिधित्व है कि कैसे संगीत, एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में, सीमाओं को पार करता है। अपनी गहरी परंपराओं और अनूठी ध्वनि-दृश्यता के साथ संगीतकार एक ऐसी समृद्धि लाते हैं जो प्रदर्शनों को पूरक और उन्नत बनाती है। चाहे वह खड़ताल की अविस्मरणीय भावपूर्ण लय हो या कमायचा या सारंगी की धुन, या राग मांड में सूफी संगीत की राजस्थानी प्रस्तुतियाँ, इस कार्यक्रम मे एक विशेष जीवंतता जोड़ती हैं। साथ ही, अपने अनूठे वाद्ययंत्रों के साथ अंतर्राष्ट्रीय कलाकार, अपन विशिष्ट प्रभावों का योगदान करते हैं, जिससे क्रॉस-कल्चरल एक्सचेंज बनते हैं जो वास्तव अद्वितीय हैं। यह महोत्सव कलाकारों के लिए एक-दूसरे से सीखने का शक्तिशाली

माध्यम है। महोत्सव के माध्यम से दर्शकों को एक बहुस्तरीय अनुभव मिलता है-ऐसी ध्वनियाँ सुनना जो उन्होंने पहले कभी नहीं सुनी होंगी, साथ ही यह भी देखने को मिलता है कि कैसे विभिन्न संगीत परंपराएँ एक अनूठे तरीके से आपस में जुड़ी हुई हैं और सामंजस्य स्थापित करती हैं।

उत्सव के कलात्मक निदेशक एलेन वेबर ने पत्रकार वार्ता में कहा कि "यह संस्करण संगीत परंपराओं की एक गहन खोज है जो समय, स्थान और संस्कृतियों को जोड़ती है। संगीत, प्रकृति और आध्यात्मिकता के बीच का संबंध इस महोत्सव के केंद्र में प्रतीत होता है, जो लोक परंपराओं और शास्त्रीय प्रथाओं में निहित प्राचीन ज्ञान से लिया गया है। संगीत केवल एक कला रूप नहीं है, बल्कि किसी गहरी, पारलौकिक और कालातीत चीज़ से फिर से जुड़ने का एक माध्यम है। इस आगामी संस्करण में पुलियाहम टाइगर डांस, एक समृद्ध दृश्य और आध्यात्मिक परिदृश्य को दर्शाता है, जो आदिवासी जनजातियों की जीवित प्रथाओं को उजागर करता है जो अभी भी प्रकृति को पवित्र साचते हैं। यह सोचना दिलचस्प है कि इन प्राचीन अनुष्ठानों को न केवल सांस्कृतिक प्रथाओं के रूप में देखा जा सकता है, बल्कि एक तरह के पर्यावरणीय संदेश के रूप में भी देखा जा सकता है।

देश-विदेश के ये कलाकार लेंगे भाग

इस वर्ष के मुख्य आकर्षणों में घाना के ओसेई क्वामे कोरानके, तंजूर के पुलियाट्टम नृत्य, कोमोरो द्वीप समूह की सूफी देबा परंपरा, अर्मेनिया के दुदुकनेर समूह, डेविड एम्ब्रोगियो, पेरिन बौरेल, मान सेरानो, रंजिनी और गायत्री द्वारा विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

महोत्सव के अन्य आकर्षण पद्मश्री अनवर खान मंगनियार और तलब खान मंगनियार, एस स्वामीनाथन, नैसम जलाल, मदन गोपाल सिंह और चार यार कलाकारों की टुकड़ी, गुरु सीए अनुरूप और शिष्य पार्वती दिलीप, दरिया, किलम, सागर राम का प्रदर्शन होगा।

नंदी को नंदगांव गौ शाला भेजा

रेवदर, (निसं)। रेवदर उपखंड आज हमारी गौ भक्त टीम को खबर मिली कि गांव बासन के पास एक छोटा-सा प्यारा गांव कोसरिया हैं जहां नंदी महाराज हैं जिनके मूत्र भाग (लिंग) में कीडे पड चुके हैं हमारी गौ भक्त टीम को खबर मिलते ही हमारी गौ भक्त टीम मौके पर पहुंच कर नंदी महाराज को काबू कर क्रेन की सहायता से सभी गौ भक्तों व गांव के प्यारे सभी लोगों की सहायता से नंदी महाराज को ईलाज के लिए नन्द गांव गौ शाला भेज दिया।

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

एलआईसी के साथ अपना विकास सुनिश्चित करें

- तीन साल के लिए स्टाइपेंडरी स्कीम.
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता: 10वीं पास से लेकर कोई भी उच्च शिक्षा.
- न्यूनतम पूर्ण आयु: आवेदन के समय 18 वर्ष.
- एजेंसी स्टाइपेंडरी अवधि में एवं उसके पश्चात नियमानुसार कमीशन के साथ जारी रहेगी.
- शर्तों के अधीन एलआईसी अपने एजेंट्स को कैरियर के अवसर भी प्रदान करती है.
- निर्दिष्ट मानदंडो की प्राप्ति पर आधारित स्टाइपेंडरी योजना

स्वावलंबी नारी, खुशहाली हमारी

LIC / M1/ 2024-25 / 32 / Hin

आवेदन के लिए, नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या www.licindia.in पर विज़िट करें

हमें फौलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

भ्रामक फोन कॉल्स और झूठे/धोखाधड़ी वाले ऑफर्स से सावधान रहें. आईआरडीएआई बीमा पॉलिसी बेचने या बोनस की घोषणा करने या प्रीमियम के निवेश जैसी गतिविधियों में शामिल नहीं होता. जनता से निवेदन है कि ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने पर वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं. जोखिम घटकों, नियम व शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री से पहले सेल्स ब्रोशर को ध्यानपूर्वक पढ़ लें.

पटाखा गोदाम में आग लगने से 14 लोग झुलसे, दो की हालत गंभीर

आग लगने के बाद गोदाम में दो बड़े धमाके हुए और रह-रहकर पटाखों की गूंज सुनाई देती रही

बांसवाड़ा, (निसं)। बांसवाड़ा जयपुर मार्ग स्थित रिको औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा गोदाम में आग लगने से 14 लोग झुलस गये, जिनमें से 2 की हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार दोपहर में गोदाम में लगी आग का धुआं शहर तक दिखाई दिया। नौ दमकलों की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जानकारी मिलने पर जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत सिंह यादव एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला भी मौके पर पहुंचे। घायलों का उपचार जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में किया जा रहा है। चर्चा है कि गोदाम में अवैध रुप से पटाखे बनाये जा रहे थे। गोदाम मालिक अशोक अठावाल ने सोनू सिंधी को गोदाम किराये पर दे रखा था और सोनू बिना लाईसेंस के पटाखे बना रहा था। अब रिको की ओर से उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया जायेगा। आग लगने के बाद गोदाम में दो बड़े धमाके हुए और रह-रहकर पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। मौके पर सैकड़ो लोग जमा हो गये जिनमें से धमाके की चपेट में आकर कुछ झुलस गये।

कोतवाली थानाधिकारी देवीलाल मीणा जेसीबी की मदद से गोदाम की दीवार तुड़वाई जिसके बाद मीणा स्वयं अंदर पहुंचे। गोदाम से दंपती और चार बच्चे सुरक्षित निकल गये थे। प्रत्यक्षदर्शी शाहिद मंसूरी ने बताया कि गोदाम के बाहर खड़े थे कि अचानक धमाकों की आवाज आयी और धुआं उठने लगा। तत्काल प्रशासन को सूचना दी। पुलिस और अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि गोदाम पर अक्सर ताला ही लगा रहता था हाल ही में ऊंची दीवारें भी बनाई गयी थी। इधर बाद में जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। इधर पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा, राजतालाब थानाधिकारी दिलीप सिंह चारण एवं अन्य पुलिस अधिकारी के अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभिषेक गोयल भी मौके पर पहुंचे।

बांसवाड़ा में पटाखों के गोदाम में लगी आग से उठता धुआं।

- नौ दमकलों की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका
- चर्चा है कि गोदाम में अवैध रुप से पटाखे बनाये जा रहे थे, गोदाम मालिक ने गोदाम किराये पर दे रखा था

सहायक अभियंता व बाबू 30 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बनेड़ा कार्यालय में कार्यरत है सहायक अभियंता व बाबू

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा एसीबी टीम ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बनेड़ा कार्यालय में कार्यरत सहायक अभियंता मुकेश बैरवा व बाबू विनोद को 30 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप किया है। कॉमर्शियल बिजली कनेक्शन जारी करने के एवज में रिश्वत राशि एक लाख की डिमांड की गई, जबकि एसीबी के सत्यापन के दौरान 20 हजार हजार रुपये ले लिये। गुरुवार को 30 हजार रुपये लेते सहायक अभियंता व बाबू ट्रैप हुआ है।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, सरदार नगर निवासी उदयलाल तेली को तेल घाणे के लिए कॉमर्शियल कनेक्शन की आवश्यकता थी। इसके लिए वह अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बनेड़ा के सहायक अभियंता मुकेश बैरवा से मिला।

अभियंता ने कनेक्शन जारी करने के लिए एक लाख रुपये रिश्वत राशि की डिमांड की थी। उदयलाल, इन्हें रिश्वत नहीं देकर रंगे हाथ पकड़वाना चाहता था। इसके चलते उसने एसीबी में शिकायत दी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया। इस दौरान सहायक अभियंता ने 20 हजार रुपये प्राप्त कर लिये। 30 हजार रुपये गुरुवार को देने थे। इसके लिए उदयलाल आज राशि लेकर बनेड़ा के सहायक अभियंता मुकेश बैरवा के पास गया। अभियंता ने यह राशि निगम के ही बाबू विनोद को देने के लिए कहा। विनोद ने जैसे ही उदय लाल से राशि ली, एसीबी की टीम उदयलाल का संकेत पाकर मौके पर पहुंच उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी का कहना है कि फिल्हाल कार्रवाई जारी है।

- कॉर्मशियल बिजली कनेक्शन जारी करने के एवज में रिश्वत राशि एक लाख की डिमांड की

रजिस्ट्री की नकल के एवज में 15 हजार मांगे, बाबू को पकड़ा

अलवर, (निसं)। अलवर के बहादरपुर सब रजिस्ट्रार के बाबू को रजिस्ट्री की नकल देने के एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने ट्रैप कर लिया। दूसरा आरोपी बाबू मौके से फरार हो गया। सहायक रजिस्ट्रार के शामिल होने की जांच होगी।

एसीबी के परमेश्वर लाल ने बताया कि परिवादी ने 11 फरवरी को सूचना दी कि मुझसे रजिस्ट्री की कॉपी लेने के एवज में बहादरपुर सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बाबू ने 15 हजार रुपए मांगे है, जिसका सत्यापन सही पाया गया। इसके बाद ट्रैप की कार्यवाही की गई। गुरुवार दोपहर बाद में बहादरपुर में सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बाबू दिनेश मीना 15 हजार रुपए लेते हुए पकड़ा गया। दूसरा बाबू हितेंद्र मौके से फरार हो गया जिसे जल्दी अरेस्ट किया जाएगा। सहायक रजिस्ट्रार भानूश्री की भूमिका की जांच होगी। हालांकि परिवादी ने उनकी मिलीभगत होने का शक जाहिर किया है।

उधर, परिवादी ने बताया कि 31 जनवरी को जमीन की रजिस्ट्री करा ली थी। रजिस्ट्री की कॉपी लेने आया तो बाबू ने 15 हजार रुपए मांगे। उससे पहले उप रजिस्ट्रार ने कहा था कि आपकी रजिस्ट्रर कॉमर्शियल में जाएगी, जिसके 68 हजार रुपए जमा कराएं। लेकिन बाद में बाबू दिनेश व हितेंद्र ने कहा कि हम काम करा देंगे। जिसके 15 हजार रुपए देने होंगे। यह भी कहा था कि मैडम तो 20 हजार रुपए मांग रही है लेकिन हम 15 हजार रुपए में काम करा देंगे। पैसे मांगने के बाद एसीबी को शिकायत दी। उसके बाद आरोपी को एसीबी ने ट्रैप किया है।

आरोपी बाबू।

- दूसरा आरोपी बाबू मौके से फरार, सहायक रजिस्ट्रार के शामिल होने की जांच होगी

महाकुंभ से लौट रही श्रद्वालुओं से भरी बस खड़े ट्रक से टकराई, तीन की मौत

हादसे में दो जने गंभीर रूप से घायल हुए, उपचार के लिए कोटा भेजा

कोटा, (निसं)। प्रयागराज महाकुंभ से मंदसौर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक स्लीपर कोच बस दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार तड़के पीछे से खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के केबिन में सवार दम्पती सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए कोटा के एमबीएम अस्पताल ले जाया गया जहां पर घायलों का उपचार जारी है। तीनों मृतकों के शव मोर्चरी में रखवा दिए हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शवों को रवाना किया। सभी महाकुंभ से लौट रहे थे।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि घटनाक्रम सुबह छह बजे के आसपास हुआ है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 56 यात्रियों से भरी एक स्लीपर कोच बस प्रयागराज महाकुंभ से मंदसौर के लिये रवाना हुई थी। सिमलिया थाना क्षेत्र के कराड़िया के नजदीक फोर लेन पर एक ट्रक खड़ा था संभवत: बस चालक को नींद का झटका लगा जिससे तेज रफ्तार से आ रही बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस की कंडेक्टर साइड का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके से बस चालक फरार हो गया है। मामला दर्ज कर चालक की तलाश की जा रही है। वहीं घटना की सूचना मिलने पर सिमलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और एम्बुलेंस से घायलों व मृतकों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद कई यात्री बस में फंस गए थे, जिन्हें निकाला गया है।

हादसे में मृतकों की पहचान मंदसौर निवासी कैलाशी बाई (64), उनके पति किशोरी लाल (65) और मंदसौर निवासी अशोक (35) के रूप में हुई है। दुर्घटना में घायल चमन लाल और पार्वती को तत्काल पुलिस ने अस्पताल पहुंचा दिया है। बस में मौजूद करीब एक दर्जन लोग चोटिल हुए हैं। पुलिस ने श्रद्धालुओं को दूसरी बस में सवार कराकर अपने अपने गंतव्य के लिये रवाना कराया।

बस में सवार लोकेश पवार का कहना है कि वह मंदसौर से 56 लोग बस करके महाकुंभ में गए थे। वापसी में आगरा घूमने भी पहुंच गए थे। आगरा से रात को कोटा होते हुए एक्सप्रेस-वे के जरिए मंदसौर लौट रहे थे। इस हादसे में उनके सास-ससुर कैलाशी बाई और किशोरी लाल की मौत हो गई है, जिस समय घटना हुई अधिकांश लोग बस में सो ही रहे थे। इस बस में सवार अधिकांश उनके रिश्तेदार या जानकार या समाज के ही हैं।

- प्रयागराज से मंदसौर जाते समय सिमलिया के समीप हुआ हादसा, बस चालक मौके से फरार हुआ
- जिस समय घटना हुई अधिकांश लोग बस में सो रहे थे, बस सवार अधिकांश रिश्तेदार या जानकार या समाज के ही थे

हादसे में बस का एक साइड का हिस्सा चकनाचूर हो गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल पुलिस थाना क्षेत्र में बदरासर के पास देर रात कार की टक्कर से बाइक पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद कार का टायर फट गया जिसे छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार भरूपावा निवासी हुकुमचंद मेघवाल, पप्पूराम और किशोराराम बाइक पर सवार होकर बीकानेर से अपने गांव की ओर जा रहे थे। इस दौरान रात को करीब 12 बजे बदरासर के पास जीणमाता मंदिर पहुंचने वाले थे कि पीछे से आ रही कार के चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि हुकुमचंद और पप्पूराम की मौके पर ही मौत हो गई। राहगिर की गाड़ी में किशोराराम को पीबीएम अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद कार चालक ने भागने की कोशिश की तो कुछ दूरी पर जाने के बाद उसका टायर फट गया। चालक कार को छोड़कर मौके से फरार हो गया। कार की टक्कर से बाइक चकनाचूर हो गई। पुलिस ने दोनों गाड़ियां जब्त की है। हुकुमचंद के भाई गोरधन कुमार मेघवाल की रिपोर्ट पर बीछवाल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ट्रॉली के नीचे आने से युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। कालियां बस स्टैंड पर मिट्टी की भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आने से बाइक चालक युवक की मौत हो गई। हादसा शाम को करीब पांच बजे हुआ। सूचना पर सदर थाने से हैड कांस्टेबल रूपराम मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

मृतक अबोहर तहसील के पंजपीर कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय संजू ओड राजपूत पुत्र श्रवण कुमार के परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस का ससुराल कालियां के निकट कॉलोनी में है। वह अपने ससुराल में मिलकर वापस पंजपीर के लिए रवाना हुआ था। इस दौरान कालियां बस स्टैंड पर हादसा हुआ। युवक सड़क पर गिरकर सामने से आ रही मिट्टी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आ गया। इससे उसका सिर कुचला गया और मौके पर ही मौत हो गई। कालियां गांव के प्रशासक पवनदीप शेरगिल ने बताया कि घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने रास्ता जाम कर लिया और आवागमन बाधित हो गया। लोगों ने ट्रैक्टर के चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

दिल्ली-मुम्बई रेलवे ट्रैक पर कोचिंग छात्र का शव मिला

कोटा, (निसं)। कोटा मंडल के डकनिया रेलवे स्टेशन के समीप गुरूवार रात्रि को दिल्ली-मुम्बई रेलवे लाइन पर कोटा में रहकर कोचिंग कर रहे एक छात्र का शव मिला। सूचना पाकर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान बिहार निवासी हिमांशु शर्मा के रूप में हुई, जिसके बाद मृतक के परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

जीआरपी के पुलिस उपअधीक्षक शंकर लाल ने बताया कि डकनिया रेलवे स्टेशन के समीप एक शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक का शव क्षत-विक्षिप्त हालत में मिला। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मृतक के पास मौके से एक मोबाइल मिला। मोबाइल व पूछताछ करने पर प्रथमदृष्टया से उसकी पहचान बिहार निवासी हिमांशु शर्मा (18) के रूप में हुई है जो कोटा के विज्ञान नगर में रहकर कोचिंग कर रहा था।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक की शिनाख्त कराई जायेगी। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि ये कोई हादसा है या सुसाइड का मामला है।

- हादसा या सुसाइड, पुलिस जांच में जुटी, बिहार का निवासी था छात्र

दो सगे भाइयों को अनियंत्रित टेंपो ने टक्कर मारी, एक की मौत

धौलपुर, (निसं)। बाड़ी उपखंड से गुजर रहे हाइवे 11 बी पर बुधवार की देर शाम चिलाचोंद गांव के पास सड़क हादसा हुआ है। खेतों की रखवाली करने जा रहे दो सगे भाइयों को पीछे से अनियंत्रित टेंपो ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक भाई की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरे भाई का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। घटना के बाद आंगई बाड़ी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चिलाचोंद गांव निवासी 17 वर्षीय सचिन पुत्र वीर सिंह मीणा अपने छोटे भाई 15 वर्षीय सौरभ के साथ खेतों की रखवाली करने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर खेतो पर पैदल घूमते हुए जा रहा था। इस दौरान पीछे से आए अनियंत्रित टेंपो ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों भाई सड़क पर गिरकर अचेत हो गए। इसके बाद सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उनको बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात सचिन पुत्र वीर सिंह मीणा की मौत हो गई। वहीं सौरभ का उपचार जारी है।

घटना को लेकर गांव चिलाचोंद निवासी समाजसेवी भरतसिंह मीणा ने बताया कि वीर सिंह खेती किसानी का काम करते हैं। उनके दो पुत्र सचिन और सौरभ हैं साथ में दो बेटियां हैं।

कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./सफाई शाखा/2024-25/13445012 दिनांक :- 07.02.2025

ई-निविदा सूचना 113 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2425A5534 आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।
UBN Code :- DLB2425SLOB16763, DLB2425SLOB16764
राज.संवाद/सी/24/11634 आयुक्त, नगर परिषद चूरू

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर, जिला ब्यावर राज.
गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर
टैलीफोन नम्बर - 01462-230051 ई-मेल :- npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 13/2024-25

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजेकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 13/2024-2025 के कार्य संख्या 01 से 44 की अनुमानित लागत 1074.57 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 14-02-2025 से 24-02-2025 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 25-02-2025 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 27-02-2025 समय प्रात: 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
UNB Reference No:- DLB2425A5556
राज.संवाद/सी/24/11619 अधिशाषी अधिकारी

झुंझुनूं की जेजेटी यूनिवर्सिटी चुड़ैला ने 1830 पीएचडी डिग्री बांटी, यूजीसी ने सवाल उठाए

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ रोड पर स्थित चुडैला में संचालित जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला (जेजेटी) विश्वविद्यालय का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जानकारी के अनुसार जेजेटी यूनिवर्सिटी ने पीएचडी डिग्रियों में बड़ा फर्जीवाड़ा किया है। जिसके चलते यूजीसी ने पूरी जांच पड़ताल के बाद अब यूनिवर्सिटी के पीएचडी कोर्सेज में आगामी पांच सालों के लिए एडमिशन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संदर्भ में यूजीसी ने बाकायदा सार्वजनिक सूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है।

जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी को लेकर शिकायतें दी थी कि उनके द्वारा यूजीसी के मापदंडों के विपरित जाकर पीएचडी कोर्सेज करवाए जा रहे हैं और डिग्री बांटी जा रही है। जब यूजीसी ने मार्च-अप्रेल 2024 से जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय चुड़ैला द्वारा 2016 से 2020 तक दरमियान दी गई पीएचडी डिग्रियों की जांच शुरू की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच में यूजीसी की गठित टीम द्वारा विषय निर्धारण, प्रवेश परीक्षा कार्ड, एक्सपर्ट मेम्बर्स, पर्यवेक्षक, परीक्षक आदि के नाम-पते गायब मिले। वहीं ऐसी कई खामियां मिली, जिसमें यूजीसी के दिशा निर्देश, नियम आदि की पालना नहीं की गई। खामियों को लेकर यूनिवर्सिटी के साथ यूजीसी की तीन-चार बार बैठकें भी हुई, जिसमें भी यूनिवर्सिटी कोई संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं दे पाई। जिसके बाद अब यूजीसी ने पांच साल के लिए पीएचडी कोर्सेज में प्रवेश के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही कहा है कि पांच साल बाद भी यूनिवर्सिटी द्वारा 2021 से 2025 तक दी गई पीएचडी डिग्रियों की जांच के बाद प्रतिबंध हटा सकता है।

2016 से 2020 तक 1830 डिग्री बांटी :- यूजीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि जब 2016 से 2020 तक की पीएचडी डिग्री की जांच की गई तो यूनिवर्सिटी ने 1830 डिग्री का रिकॉर्ड दिया। इनमें से 2020 में 408 डिग्री शामिल है, जिसे यूजीसी ने सामान्य संख्या से कहीं ज्यादा माना। इन पांच सालों का रिकॉर्ड देखें तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2021 से 2025 तक भी करीब करीब दो हजार डिग्री यूनिवर्सिटी ने बांटी होगी। इस तरह करीब 3800 से 4000 स्कॉलर्स की पीएचडी डिग्री पर सवाल उठ रहे हैं।

23 अक्टूबर को दिया था कारण बताओ नोटिस :- यूजीसी ने जेजेटी यूनिवर्सिटी को 23 अक्टूबर 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें 15 दिन का समय देते हुए 10 बिन्दुओं पर यूनिवर्सिटी से जवाब मांगा था। हालांकि यूनिवर्सिटी ने जवाब दिया। लेकिन यूजीसी जवाब से असंतुष्ट दिखी। इसी रिपोर्ट में यूजीसी ने बताया कि 2016 से 2020 तक जेजेटी यूनिवर्सिटी ने 1830 पीएचडी डिग्री बांटी। इनमें 408 डिग्री अकेले 2020 में बांटी गई। यह संख्या सामान्य से अधिक पाई गई। विषय निर्धारण, प्रवेश परीक्षा कार्डों में अनियमितताएं पाई गई। एक्सपर्ट मेम्बर के नाम और पदनाम भी नहीं मिले। पीएचडी के लिए आरएसी का गठन होता है, जो नहीं मिला। परीक्षक रिपोर्ट में सिर्फ साइन मिले, ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली, जिसमें परीक्षक का नाम हो और वह कौनसी संस्था से है, यह जानकारी भी हो, जो जरूरी था। विजिटिंग फैकल्टी को ही एक्सटरनल एग्जामिनर बना दिया, जो यूजीसी के नियमों के अनुसार गलत है। अधिकतर पीएचडी केस में यूनिवर्सिटी ने केवल मार्गदर्शक नियुक्त किया, जो यूनिवर्सिटी का नहीं था, रिसर्च भी अन्य कॉलेजों से किए जाना दिखाया गया। यह सब नियम विरूद्ध था। जो भी पर्यवेक्षक थे, वो जेजेटी के टीचर नहीं थे। छह माही रिपोर्ट में विद्यार्थियों के साइन तक नहीं मिले।

डॉ. देवेंद्रसिंह ढुल, प्रेजीडेंट, जेजेटी यूनिवर्सिटी, चुड़ैला, झुंझुनूं ने बताया कि यूजीसी ने हमें गुणवत्ता के लिहाज से कुछ निर्देश दिए हैं। लगातार सुधार किए जा रहे हैं। फिलहाल पीएचडी एडमिशन पर प्रतिबंध है, लेकिन हम यूजीसी से अपील करेंगे, दुबारा एडमिशन लिए जा सकेंगे। फर्जी डिग्री को लेकर ना तो यूजीसी के पास पहले कोई शिकायत थी और ना अब है। सभी कार्यक्रम और सभी कोर्स यूजीसी के निर्देशों के अनुसार ही चल रहे हैं बात सिर्फ कुछ गुणवत्ता को लेकर है, जिसे लेकर यूनिवर्सिटी लगातार अपना पक्ष यूजीसी के समक्ष रखेगी। हमने अब तक जो भी पीएचडी कोर्स करवाए है। वो पूरे नियमों में करवाए हैं।

- पीएचडी नहीं करवा सकेगी जेजेटी यूनिवर्सिटी चुडैला, पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया
- यूजीसी ने जेजेटी यूनिवर्सिटी को 23 अक्टूबर 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें यूनिवर्सिटी से जवाब मांगा था

युवक से मारपीट, सड़क पर फेंका

बीकानेर, (निसं)। नयाशहर थाना क्षेत्र में मारपीट के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। थाने के ठीक पीछे कुछ युवकों ने एक घर पर हमला बोल दिया, जिसमें एक जना घायल हो गया। वहीं फूलनाथ बगीची के पास घर में से युवक को उठाकर ले गए और मारपीट कर सड़क पर फेंक गए।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी से आगे स्थित फूलनाथ बगीची के पास रहने वाले लालचंद नायक ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसके भतीजे शिवलाल को राकेश जाट, रोनाल्डो जाट और मुकेश जाट सहित दस-पंद्रह अन्य युवक पिकअप गाड़ी में डालकर ले गए। मारपीट के बाद सड़क पर फेंक दिया। जब घर वाले ढूंढने निकले तो पूर्व पार्षद के घर के आस-पास मिला। गंभीर रूप से घायल शिवलाल को ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसके पैर का एक घुटना टूट हुआ सामने आया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों युवकों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है। वहीं नयाशहर थाने के ठीक पीछे भी एक घर पर हमला करने का मामला सामने आया है। हालांकि इस मामले में अब तक एफआईआर की पुष्टि नहीं हुई।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 02)/2025/ई-10075

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 02)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारीं लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 27 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रकिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।
(भगवती प्रसाद)IAS
DIPR/C/1575/2025 निदेशक

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.25/परीक्षा/लेक्चरर-आयुर्वेद/RPSC/EP-1/2024-25/215-219 दिनांक- 13.02.2025
आयोग द्वारा आयुर्वेद योग व प्राकृतिक चिकित्सा यूनानी सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के लिए राजस्थान आयुर्वेद, यूनानी होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा सेवा नियम 1973 के अन्तर्गत लेक्चरर के विभिन्न 08 विषयों के कुल 09 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता वर्गवार वर्गीकरण आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यथी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलाकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 20 वर्ष एवं अधिकतम 45 वर्ष से कम।
आवेदन अवधि	दिनांक 20.02.2025 से दिनांक 21.03.2025 रात्रि 12.00 बजे तक
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के सबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य विन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

राम निवास मेहता, सचिव

गहलोतजी बेहतर जानते हैं, फोन टैप कैसे होते हैं : राजेन्द्र राठौड़

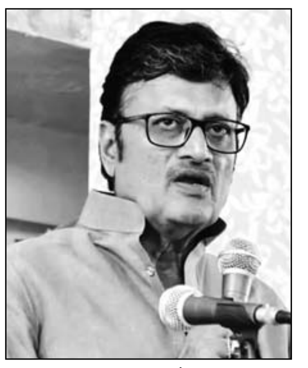
राजेन्द्र राठौड़

- 'कोर्ट में दिया ओएसडी का बयान क्यों भूल रहे गहलोत'

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का टेलीफोन टैपिंग पर बयान और वर्तमान सरकार पर निशाना, ऐसा लगता है कि 'नौ सौ चूहे खा के बिल्ली हज को चली'।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब टेलीफोन टेप कैसे होते हैं, सरकार क्या षड्यंत्र रचती है, आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। लोकेश शर्मा 5 वर्ष तक आपके ओएसडी रहे। दोनों के बीच फोन टैपिंग से संबंधित बातचीत का ऑडियो आज भी मीडिया के पास है। उस ऑडियो में वह इंस्ट्रूमेंट नष्ट करने की बात कह रहे हैं।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गहलोत का ओएसडी कोर्ट में इकबालिया बयान देता है कि आपके निर्देश पर कई नेताओं के टेलीफोन टैप हुए। यह 'उल्टे बांस बरेली को' क्यों। यह सारी बात जनता समझती है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग विधानसभा में सदन के नेता के बोलने पर विरोध कर रहे थे, सदन की गरिमा गिरा रहे थे। उसमें से आधे से ज्यादा कांग्रेसी विधायक यह कहकर बाहर निकल गए कि दलित समाज से आने वाले नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और वे कांग्रेस पार्टी की बात से सहमत नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस टुकड़ों-टुकड़ों में बटी है। यह पार्टी पांच सितारा होटलों में कैद रही, आज इनके पास मुद्दा नहीं है, कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है। यह चाय के प्याले में तूफान खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह राजस्थान की जनता है सब जानती है। इनकी कलई पूर्व में खुल चुकी है। अच्छा रहता ये अगर अपने ओएसडी से बात कर लेते।

बार एसोसिएशन के सांस्कृतिक सचिव के निलंबन पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दी बार एसोसिएशन के सांस्कृतिक सचिव पद से याचिकाकर्ता को निलंबित करने के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और बार एसोसिएशन से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश अंकित कपूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को दी बार एसोसिएशन की ओर से गत 27 जनवरी को पत्र भेजकर जानकारी दी गई कि गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में उनकी ओर से किया गया व्यवहार घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

सुखोई के साथ राजीव प्रताप रूडी ने फिर भरी हौसलों की उड़ान

पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरते हुए अपनी उड़ान क्षमता और साहस का प्रदर्शन किया।

- एयरो इंडिया 2025 एयर शो, बेंगलुरु में 22,000 फीट की ऊँचाई पर 52 मिनट तक उड़ान
- विंग कमांडर परमिंदर चहल के साथ टम्बल, लूप, बैरल रोल जैसे युद्धाभ्यास किए

बेंगलुरु/जयपुर। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरते हुए अपनी उड़ान क्षमता और साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने 12 फरवरी को बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया 2025 एयर शो में 22,000 फीट की ऊँचाई पर 52 मिनट तक शानदार कलाबाज़ियाँ कीं।

रूडी ने उड़ान के अनुभव को रोमांचक बताते हुए कहा कि "सुखोई-30 एमकेआई उड़ाना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। वाणिज्यिक पायलट के रूप में उड़ान भरने की आदत है, लेकिन इस युद्धक विमान को उड़ाना पूरी तरह से शक्ति, गति और सहनशक्ति की परीक्षा थी।" विंग कमांडर परमिंदर चहल (पैरी) के साथ उन्होंने टम्बल, लूप, बैरल रोल जैसे गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले युद्धाभ्यास किए। उड़ान से पहले उन्होंने जी-सूट पहनकर सभी शारीरिक फिटनेस परीक्षण पूरे किए।एयर शो के दौरान रूडी ने भारतीय वायुसेना के सबसे आधुनिक और शक्तिशाली लड़ाकू विमानों एसयू-35 तथा सुखोई-57 का प्रदर्शन भी देखा। साथ ही, उन्होंने भारतीय वायुसेना की विख्यात एरोबैटिक प्रदर्शन टीम 'सूर्य किरण' के शानदार हवाई करतबों को करीब से देखा। रूडी ने भारतीय वायुसेना के पायलटों की कुशलता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा, "भारतीय वायुसेना की ताकत और परिश्रम को सलाम। इनके रहते हमारा देश पूरी तरह सुरक्षित हाथों में है। रूडी ने कहा कि सूर्य किरण टीम को बिहार में आमंत्रित करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि यह भारतीय वायुसेना की प्रमुख एरोबैटिक टीम है, जो अपने अद्वितीय हवाई कौशल और सटीक उड़ान प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। सूर्य किरण टीम कर्नाटक के बीदर एयरफोर्स स्टेशन पर स्थित है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एयर शो में कई शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। बिहार में इसके आगमन से युवा पीढ़ी को भारतीय वायुसेना के शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। राजीव प्रताप रूडी एक लाइसेंसशुदा वाणिज्यिक पायलट हैं और पूर्व में भारत सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रह चुके हैं। यह उनकी दूसरी सुखोई उड़ान थी, इससे पहले 2015 में भी वे सुखोई एमकेआई 30 में उड़ान भर चुके हैं। मालूम हो कि सुखोई लड़ाकू विमान 2600 किमी/घंटा की रफ़्तार से उड़ान भरने में सक्षम होते है। ये हवा से हवा और हवा से ज़मीन पर हमला करने की क्षमता रखते है, साथ ही ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस होने वाला पहला लड़ाकू विमान सुखोई है जिसमें हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा है।

गौरतलब है कि रूडी एक लाइसेंसशुदा वाणिज्यिक पायलट हैं और पूर्व में भारत सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रह चुके हैं। यह उनकी दूसरी सुखोई उड़ान थी।

एयर फोर्स स्टेशन जयपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया

सड़क सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन गुरूवार को एयर फोर्स स्टेशन जयपुर-जल महल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एवं स्टेशन मास्टर विनय भारद्वाज की उपस्थिति रही।

जयपुर। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर द्वारा 10 से 13 फरवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवधि में यातायात नियमों की जागरूकता, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जीवन बचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रशिक्षण, वॉकथॉन, निजी वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच जैसी पहल शामिल रहीं।

सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन आज एयर फोर्स स्टेशन जयपुर-जल महल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एवं स्टेशन मास्टर विनय भारद्वाज की उपस्थिति रही।

समारोह के दौरान परिवहन निरीक्षक (आरटीओ) दिनेश सिंह फौजदार ने लाइसेंस प्रणाली और सड़क दुर्घटनाओं के घातक कारणों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अलावा, मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी की डायरेक्टर प्रोजेक्ट्स नेहा खुल्लर ने सड़क सुरक्षा कानून और मोटर वाहन ड्राइविंग नियमों पर व्याख्यान दिया, जबकि मुस्कान फाउंडेशन के प्रशिक्षक समीर नैणावत ने यातायात संकेतों (साइनज) की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाई। इस व्याख्यान में एयर फोर्स स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, एयर फोर्स स्कूल के छात्रों को सड़क सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में सभी उपस्थित लोगों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली, जिसमें उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

टेली-मानस और ई-संजीवनी स्वास्थ्य सेवाएं आमजन के लिए साबित हो रही है कारगर : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवाण कल्याण मंत्रालय की ओर से आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम(टेली-मानस) की 2022 में शुरूआत की। इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में 20 भाषाओं में 18 लाख से अधिक कॉल पर आमजन को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। इतना ही नहीं, टेली मानस कार्यक्रम की लोकप्रियता को देखते हुए साल-दर-साल इनकी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। देश के 36 राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों में 53 टेली मानस प्रकोष्ठ की स्थापना की जा चुकी है। केंद्र ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 10 अक्टूबर 2024 को टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन तक लॉन्च कर दी। इस एप्लिकेशन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकारों तक के मुद्दों पर सहायता प्रदान की जा रही है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने यह जानकारी दी।

मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार ने बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को शुरू किया था। इसके तहत टोल-फ्री नंबर 14416 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आमजन के मानसिक तनाव को दूर करने के साथ उनको मोटिवेट करना या उनके साथ संवाद स्थापित कर उनकी परेशानी को दूर करने के उपाय साझा करना इस कार्यक्रम में प्राथमिकता रहती है। टेली-मानस पर 24 घंटे सुविधा उपलबध है। इस दौरान परामर्श के साथ एकीकृत चिकित्सा और मनो सामाजिक अंतक्षेप भी प्रदान किया जाता है। केंद्र सरकार ने पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में भी एक टेली-मानस प्रकोष्ठ की स्थापना की है, ताकि सशस्त्र बल सेवा कर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता के साथ प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार करते हुए टेली मानस सेवाओं के साथ ई-संजीवनी सेवा भी देशभर में शुरू की है। इसमें चिकित्सक मरीज से वीडियो परामर्श के माध्यम घर पर ही उपचार प्रदान करता है। इसके साथ ही ई-संजीवनी एएएम के माध्यम से चिकित्सक अन्य चिकित्सक से टेली-परामर्श के माध्यम से मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। यह सेवा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जाती है।

सी.एस. बताए मुकदमों के प्रभारी अधिकारियों की व्यवस्था सुधार के लिए क्या किया जा रहा है : हाईकोर्ट

- हाईकोर्ट ने कहा है कि अदालत में लंबित अधिकांश मामलों के प्रभारी अधिकारी पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनकी लापरवाही से अदालत को मामले की सुनवाई टालनी पड़ती है।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि अदालत में लंबित अधिकांश मामलों के प्रभारी अधिकारी पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनकी लापरवाही से अदालत को मामले की सुनवाई टालनी पड़ती है। प्रभारी अधिकारी कई मामलों में न तो संबंधित दस्तावेज सरकारी वकीलों को उपलब्ध करा रहे है और ना ही तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करते है। जिसके कारण सरकारी वकीलों को भी अदालत से समय मांगना पडता है। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वह शपथ पत्र पेश कर बताए कि इस व्यवस्था में सुधार के लिए क्या किया जा रहा है। अदालत ने मुख्य सचिव को यह भी आदेश दिए हैं कि वह सभी विभागों को निर्देश जारी करें कि कर्मचारियों पर की जाने वाली विभागीय कार्रवाई जल्दी से जल्दी पूरी की जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश सरदार मल यादव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने महाधिवक्ता और प्रमुख विधि सचिव को भी कहा है कि वे विभागों के मुखियाओं को निर्देश दें कि वे विधि अधिकारियों और प्रभारी अधिकारियों को जरूरत पडने पर अदालत में उपस्थित होने के लिए कहे। अदालत ने प्रभारी अधिकारियों को चेताया है कि यदि अब उनके सहयोग के अभाव में कोर्ट सरकार के खिलाफ आदेश देगी तो उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी संबंधित प्रभारी अधिकारी की होगी और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी होगी।

अदालत ने कहा कि शिक्षा विभाग में कार्यरत याचिकाकर्ता को नवंबर, 2011 में चार्जशीट दी गई और मार्च, 2014 में जांच पूरी होकर रिपोर्ट भी सौंप दी गई, लेकिन यह बड़े आश्चर्य की बात है कि करीब 12 साल बीतने पर भी अब तक उस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सकता। इसके लिए याचिकाकर्ता को अदालत में याचिका दायर करनी पड़ी और गत 31 जनवरी को वह रिटायर भी हो गया। जबकि सिविल सेवा नियम के तहत जांच रिपोर्ट मिलने के तत्काल बाद उस पर अंतिम निर्णय हो जाना चाहिए था। अदालत ने कहा कि प्रत्येक नियोक्ता को प्रयास करना चाहिए कि वह कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच छह माह में पूरी करे। राज्य सरकार के खिलाफ अधिकांश मुकदमें दायर होते है। ऐसे में प्रभारी अधिकारियों की जवाबदेही बड़ा सवाल है। ऐसे में प्रभारी अधिकारी को निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि किसी विभाग में काम अधिक है तो अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी लगाए जा सकते हैं।

समस्त गतिविधियों की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें : मंजू राजपाल

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं 'सहकार से समृद्धि' की समीक्षा बैठक

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 एवं 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' के इनिशिएटिव्ज के आधार पर जिलों की रैंकिंग तय करने एवं लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

राजपाल गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा कर रहीं थीं। बैठक में पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, एम-पैक्स एवं ई-पैक्स का गठन, निष्क्रिय समितियों का अवसायन, फार्मर रजिस्ट्री कैम्प के अंतर्गत होने वाले कार्य, गोदाम निर्माण, जन औषधि केन्द्र, पीएम किसान समृद्धि कैम्प, एफपीओ एवं कॉमन सर्विस सेंटर्स सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि जिन जिलों में डीसीडीसी (जिला सहकारी विकास समिति) की बैठक नहीं हुई है, उनमें एक सप्ताह के अंदर बैठक आयोजित करवाकर प्लान स्वीकृत करवाया जाए, ताकि कार्ययोजना को समयबद्ध रूप से मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें सहयोग नहीं करने वाले कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। श्रीमती राजपाल ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर चुके राजसमन्द जिले की सराहना करते हुए अन्य जिलों को भी इसका अनुसरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को इसकी नियमित रूप से समीक्षा करने एवं बेहतर कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

देवनानी से कानपुर के संत पीठाधीश्वर ने की मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से कानपुर के श्री नित्येश्वर आश्रम (उदासीन) के संत पीठाधीश्वर ने गुरूवार को विधान सभा में मुलाकात कर महाशिवरात्रि के मौके पर आयोजित होने वाले श्री नित्येश्वर महादेव के महारूद्राभिषेक और विशाल भंडारा का निमंत्रण दिया। देवनानी ने संत श्री पीठाधीश्वर को सनातनी परम्परा के महापर्व पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

देवनानी को संत पीठाधीश्वर ने श्री नित्येश्वर ज्ञान गंगा की प्रति भेंट की। देवनानी को बताया कि पुस्तक में सनातन परम्परा और आध्यात्म विषयों से संबंधित तपस्या, वैराग्य, साधना, परमात्मा , वास्तविक शांति, पूजा, भक्ति, अराधना, पाप, पुण्य सहित आस्था और विश्वास से संबंधित आमजन के सामान्य प्रश्नों का सरलता से जवाब दिया गया है।

वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदोन्नति पर लगी रोक हटी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर से वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदोन्नित पर अप्रैल, 2023 में लगी रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं को इस संबंध में अपना अभ्यावेदन विभाग में देने को कहा है। वहीं विभाग को इन अभ्यावेदन का दो सप्ताह में तय करने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अभ्यावेदन के निस्तारण तक याचिकाकर्ताओं के मामले में यथा-स्थिति रहेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश गजेन्द्र कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं का निस्तारण करते हुए दिए। अदालती आदेश से 5168 कर्मचारियों की पदोन्नित का रास्ता साफ हो गया है।

याचिका में अधिवक्ता सुखदेव सिंह सोलंकी ने बताया कि 2 दिसंबर, 2019 को वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद के लिए वरिष्ठता सूची जारी की गई थी। जिसमें याचिकाकर्ताओं का भी नाम था। वहीं बाद में वरिष्ठता में नहीं आने के चलते उनकी पदोन्नित नहीं हुई। याचिका में कहा गया कि विभाग ने साल 2013 से 2022-23 की रिक्तियों के विरूद्ध 23 जनवरी, 2023 को रिव्यू डीपीसी हुई। वहीं वरिष्ठता सूची बनाते समय आरक्षित वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

पंचायती राज विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों को केरल सरकार के साथ साझा किया

मदन दिलावर ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की ली बैठक

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में पंचायती राज विभाग के शैक्षिणक दौरे पर राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल केरल पहुंचा।

केरल इंस्टिट्यूट ऑफ़ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, त्रिचूर में आयोजित बैठक में मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में पंचायती राज विभाग ग्रामीण स्वच्छता पर विशेष जोर दे रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार का लक्ष्य आगामी दो वर्षों में प्रदेश को ग्रामीण स्वच्छता के मामले में देश में अग्रिम पंक्ति में लाकर खड़ा करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरी क्षेत्रों की तरह प्रतिदिन सफाई और कचरा संग्रहण की व्यवस्था की गई है। दिलावर ने राजस्थान में संचालित अन्नपूर्णा रसोई,राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य अभियान, घुमंतू जाति के लोगो को पट्टा वितरण योजना, स्वामित्व योजना,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को लेकर जानकारी दी। साथ ही इंदिरा गांधी पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान द्वारा पिछले वर्ष करवाएंगे प्रशिक्षणों एवं राज्य स्तरीय 6 प्रशिक्षण संस्थानों की गतिविधियों के बारे में बताया। इससे पहले केरल राज्य में पंचायती राज के नवाचार तथा सशक्त पंचायती राज के बारे में वहां के अधिकारियों,प्रोफेसर,ट्रेनिंग इंचार्ज,फैकल्टी मेंबर्स के साथ जानकारियों को साझा किया। अधिकारियों द्वारा केरल राज्य में पंचायती राज सिस्टम के बारे में एक प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।

उपभोक्ताओं को सुगमता से मिले बिजली संबंधी सेवाएं : आरती डोगरा

जयपुर। विद्युत वितरण निगमों की अध्यक्ष आरती डोगरा ने निचले स्तर तक निगम की उपभोक्ता सेवाओं को सुगम एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नए बिजली कनेक्शन, ट्रांसफार्मर बदलने, लोड बढ़ाने, बिजली बिल में सुधार तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी आमजन से जुड़ी सेवाओं में कोई कोताही नहीं हो। पूरी संवेदनशीलता के साथ ऐसे प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने गुरूवार को चाकसू, निवाई, टोंक ए-प्रथम तथा हिंडोली एईएन कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अभियंताओं को यह निर्देश दिए। डोगरा ने संबंधित 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रबी सीजन के अंतिम चरण तथा आगामी गर्मी में बिजली की संभावित डिमांड को देखते हुए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर, केबल, रोस्टर स्विच, आइसोलेटर, वीसी ब्रेकर जैसे लाइन मैटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, ट्रिपिंग की समस्या वाले फीडरों में उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने को कहा।

डोगरा ने इस दौरान एईएन कार्यालयों में भंडार शाखा, उपभोक्ता शाखा, राजस्व एवं बिलिंग तथा संस्थापन शाखाओं से संबधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सहायक अभियंताओं एवं अन्य कार्मिकों से लंबित कनेक्शन आवेदनों की संख्या, निस्तारण में लगने वाले समय, भार वृद्धि के प्रकरणों, शत-प्रतिशत बिलिंग, डिफेक्टिव मीटर बदलने, बकाया राजस्व की वसूली आदि के संबंध में जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना के तहत स्थापित रूफ टॉप सोलर की संख्या के बारे में भी जानकारी ली और इसे गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित वृत्त के अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता भी मौजूद रहे।

जवाहर कला केंद्र में मांड गायन कार्यशाला 20 से

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 20 फरवरी से 6 मार्च तक 15 दिवसीय मांड गायन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों को प्रसिद्ध मांड गायक पद्मश्री अलंकृत उस्ताद डॉ. अली मोहम्मद और उस्ताद डॉ. गनी मोहम्मद के सानिध्य में मांड गायकी सीखने का अवसर मिलेगा। पारिजात-2 दीर्घा में सायं 3 बजे से 6 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी केन्द्र की वेबसाइट पर मौजूद गूगल फॉर्म के जरिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 16 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी कार्यशाला में निःशुल्क हिस्सा ले सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 फरवरी निर्धारित की गयी है।

कलैक्टर ने जालोर महोत्सव के आयोजन स्थल का जायजा लिया

जालोर, (कासं)। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन एवं जालोर विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में 15 फरवरी से आयोजित तीन दिवसीय जालोर महोत्सव में कला एवं संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा।

तीन दिन खेलकूद, सांस्कृतिक, संगीत, म्यूजिकल नाईट व मंनोरजन के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होगे। वही गुरूवार को जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गांवडे ने जालोर महोत्सव स्थल स्टेडियम मैदान पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जालोर महोत्सव को लेकर स्टेडियम ग्राउण्ड में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता, शॉपिग मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियो का जायजा लेने जालोर महोत्सव कोर कमेटी के साथ जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गांवडे व एडीएम राजेश मेवाडा स्टेडियम ग्राउंड पहुंचे। जिला कलैक्टर ने मुख्य समन्वयक व एसडीएम मनोज कुमार चौधरी व समन्वयक रतन सुथार को निर्देशित किया कि जालोर महोत्सव में आमजन को किसी प्रकार से कोई परेशानी नही हो सका पुरा ख्याल रखे। साथ ही सभी कार्यक्रम समयवधि में पूर्ण करवाये। उन्होने आयोजन स्थल पर पानी, छाया, विधुत सहित अन्य समस्त सुविधाओ की माकूल व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होने आमजन से भी अपील की कि जालोर महोत्सव में समस्त जिले वासी अपनी सहभागिता निभाते हुए इस जालोर महोत्सव को सफल बनाये। इस दौरान जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर, कोर कमेटी के नारायण लाल भट्ट, कानाराम परमार, हितेश प्रजापत, नितिन सोलंकी, सांस्कृतिक टीम के महेश भट्ट, रितु टॉक, खेलकूद प्रभारी अर्जुन सिंह देलदरी व इमरान खान उपस्थित रहे।

जालोर महोत्सव के समन्वयक रतन सुथार ने बताया कि जालोर महोत्सव 2025 में तीन दिन तक खेल, सांस्कृतिक, कला एवं संस्कृति, म्यूजिकल नाईट, शॉपिंग मेला सहित अन्य मनोरजंक कार्यक्रम आयोजित होगे। वही जालोर महोत्सव का आगाज 15 फरवरी को शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा के बाद उदघाटन समारोह स्टेडियम प्रांगण में प्रातः 10 बजे होगे। उस दौरान जालोर महोत्सव में पहली बार एयर शो का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के विमान उडाए जायेगे। उदघाटन के बाद नटराज मंच पर सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वही स्टेडियम मैदान में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित होगी। शाम को स्टेडियम ग्राउण्ड में साफा बांधो प्रतियोगिता में भिन्न भिन्न प्रकार से साफा बांधते देखने का मौका मिलेगा। रात्रि करीब 8.30 बजे राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें हास्य व्यंग्य के राष्ट्रीय कवि पदमश्री सुरेन्द्र दवे, इटावा उत्तर प्रदेश के कवि गौरव चैहान, जोधपुर के हास्य व्यंग्य के प्रसिद्व कवि व संचालक डॉ. राम अकेला, हास्य व व्यंग्य कवि व शायर दिल्ली के दीपक गुप्ता, आगरा की गीतकार रूचि चतुर्वेदी, शेखावटी के कवि विवके पारिक, मुंबई के हास्य व्यंग्य के कवि रोहित शर्मा व उदयपुर की नाजनीन अली नाज गजले व नज्मो से समा बांधेगी। वही सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रेणी में चित्रकला जूनियर (8 से 14 वर्ष तक), चित्रकला सीनियर (14 वर्ष से अधिक), फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता (8वर्ष से अधिक), महेन्दी व साफा बांधो प्रतियागिता भी आयोजित होगी। चित्रकला प्रतियोगिता में आयोजन समिति की ओर से केवल चार्ट उपलब्ध करवाया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रतिभागी सम्बंधित सामग्री स्वयं लेकर आये। वही महेंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागी संबंधित सामग्री स्वयं लेकर आयेगे।

वही 16 फरवरी को प्रातः 8.30 बजे हनुमानशाल स्कूल प्रांगण से रन फार जालोर दौड का आयोजन होगा। वही प्रातः 11 बजे केरियर गाइडेन्स, युवा काव्य प्रतियोगिता 11.30 बजे आयोजित होगी। जिसमें युवा अपने केरियर के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगे तथा युवा कवि अपनी कविताओं की प्रस्तुति देगे। शाम 3.30 बजे बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में जिले के युवा अपने शरीर शैष्ठ का प्रदर्शन करेगे। शाम 6.30 बजे स्टेडियम प्रांगण में पदमश्री व राष्ट्रपति से नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित प्रसिद्व भजन व लोक गीतो की गायका बेगम बतुल लोक गीतो की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देगी। वही 17 फरवरी को नटराज मंच पर दोपहर 12 बजे मिस व मिस्टर जालोर प्रतियोगिता का आयोजन होगा। शाम 6.30 बजे सांस्कृतिक कला परिषद उडीसा के सम्बलपुरी लोक नृत्य ग्रुप द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति देगे। शाम करीब 4.30 बजे जालोर महोत्सव का समापन समारोह आयोजित होगा। इसके अलावा जालोर को जानो आनलाईन प्रतियोगिता, कला मण्डल में आर्ट एण्ड फोटो गैलेरी, आर्ट एण्ड क्राफट आकर्षक के केन्द्र रहेगे।

बॉलीवुड नाईट में रिनी चन्द्रा, स्वागत राठौड की प्रस्तुति

जालोर महोत्सव में इस बार 16 व 17 फरवरी को दो दिन बॉलीवुड म्यूजिकल नाईट में देश के प्रसिद्व बालीवुड सितारे स्टेडियम प्रांगण में सुरो की सुरीली आवाज के जादू से हर किसी को झुमने पर मजबूर कर देगे। 16 फरवरी को रात्रि 8.30 बजे बालीवुड नाईट में स्वागत राठौड व पल्लवी दाभोलकर रॉक स्टार बालीवुड व विभिन्न प्रकार के गीतो को अपने सुरीले सुरो से गाकर बॉलीवुड नाईट में हर किसी को रोमांचित कर देगे। स्वागत राड्डौड एआर रहमान के संगीत प्रतियोगिता एआर रिविड के विजेता रहे है। वे अपने गीतो के माध्यम से इतिहास को भी रूबरू करवाते है। उनके साथ पल्लवी दाभोलकर रॉकस्टार हिपोप, हिन्दी सहित कई गीतो सुनाकर श्रोताओं को नाचने पर मजबूर कर देगी। वही 17 फरवरी की रात्रि 8.30 बजे बॉलीवुड म्यूजिकल नाईट में सारेगामा 2010 की फाईनलिस्ट रहे चुकी रिनी चन्द्रा व हनी ट्रोपर अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखरेगे। रिनी चन्द्रा दुनिया भर में करीब एक हजार से अधिक शो में अपनी प्रस्तुति दे चुकी है। हाल में उन्होने अपने म्यूजिकल एलबम हरिया बाग, कुरजा, काजलिया, बारिशां, मिल जाना, ओ हम नवा, गढवाली लोक मैशप लॉकडायन सॉग, बाहर न जाना रिलीज हुए है। उनके ये एलबम गीत लोगो ने खूब सराहे है। उन्होने कई पंजाबी फिल्मो और सीरियल टाईटल और सिचुएशनल ट्रेक के लिए अपनी आवाज दी है। उनहोने कुछ टीवी सीरियल जैसे यम है, सिंहासन बत्तीसी और विध्नहर्ता गणेश में भी अभिनय किया है।

हनी ट्रोपर का नाम हनुमान सहाय शर्मा है तथा उन्होने बॉलीवुड में हरियाला बन्ना, बारिशां, बालमा, रामपीर, पल्लो लटके, पिया आओ तो, काजलिया, सहित कई राजस्थानी, पंजाबी व हिन्दी गीतो की प्रस्तुति दी है। रिनी चन्द्रा व हनी ट्रोपर बालीवुड लाईव फोक फयूजन म्यूजिकल गीतो की आकर्षक प्रस्तुति दी।

खेलकूद प्रतियोगिता की रहेगी धूमः जालोर महोत्सव में तीन दिन तक खेलकूद प्रतियोगिता की धुम रहेगी। खेलकूद प्रतियोगिता में खेलकूद प्रतियोगिता में वालीबॉल, कब्बड्डी, बास्केटबॉल, खो-खो, रस्सा कस्सी, सतोलिया, बैडमिंटन, रोलर स्केटिंग, युगल युवा दोड, सौ मीटर वॉक वरिष्ठ नागरिक, म्यूजिक चेयर व मटका दौड प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जालोर महोत्सव को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

योजनाओं का आमजन को मिल रहा लाभ : जोगेश्वर गर्ग

जालोर शहर में सुन्देलाव तालाब की पाल वार्ड सं. 38 में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सम्बोधित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में सुन्देलाव तालाब की पाल वार्ड सं. 38 में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण कार्यक्रम महंत पवनपुरी महाराज के पावन सानिध्य के साथ राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जालोर शहर के वार्ड सं. 38 एवं आस-पास के निवासियों को चिकित्सीय सुविधाएँ आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध होगी साथ ही गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं व छोटे बच्चों को घर के नजदीक ही टीकाकरण की सुविधा मिल सकेगी।

मुख्य सचेतक ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुँच रहा हैं। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य सरकार का बजट युवा, किसान व गरीब कल्याण को समर्पित होगा।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी ने बताया कि नवनिर्मित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ओपीडी सेवाएँ, मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना के तहत 8 प्रकार जांचे व मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत 329 प्रकार की दवाईयों की उपलब्धता के साथ ही आरसीएच सेवाएँ जैसे-किशोर स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण सेवाएँ, गैर संचारी रोग जैस-हाईपरटेंशन, डायबिटिज आदि की स्क्रीनिंग सहित गंभरी रोगियों के लिए रैफरल सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 1 चिकित्सक, 2 स्टाफ नर्स, 1 फार्मासिस्ट, 1 एएनएम, 1 सपोर्ट स्टाफ व 1 स्वीपर की सेवाएँ उपलब्ध रहेगी।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर का फीता काटकर शुभारंभ कर अवलोकन किया।

इस अवसर पर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित, आरसीएचओ डॉ. राजकुमार, बीसीएमओ डॉ. भजनलाल विश्नोई, डॉ. अभिमन्यु सिंह, डीपीएम चरणसिंह, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष अम्बालाल व्यास, रवि सोलंकी, गजेन्द्र सिसोदिया, गणपतसिंह बगेडिया, पूर्व पार्षद हीरालाल देवासी, दिनेश बारोट, दिनेश महावर, नीतू कंवर, डिम्पल सिंह, दिलीप माली, ज्योतिबा फूल मंच के प्रदेश सचिव नाथू सोलंकी सहित शहरवासी उपस्थित रहे।

परम्परागत रूप से रोपणी की रस्म निभाई

जालोर, (निसं)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली पर्व से 1 माह पूर्व जालोर शहर के होलिका दहन स्थल पर रोपणी का डंडा रोपा गया। रंगों के महापर्व होली की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

जालौर में बुधवार को परंपरा के अनुसार माघ पूर्णिमा के अवसर पर भक्त प्रहलाद चौक पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ रोपणी की रस्म अदा की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पटवारी संजय कुमार और भक्त प्रह्लाद सेवा समिति ने होली का डांडा रोपा।

इस अवसर पर सूरजपोल स्थित पटवार भवन से ढोल-नगाडों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया, जो गांधी चौक, सदर बाजार, घांचीयों की पिलानी और बडी पोल होते हुए भक्त प्रह्लाद चौक पहुंचा।

यहां श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजा - अर्चना की। डांडा रोपण के साथ ही फागोत्सव की औपचारिक शुरुआत हो गई। अब एक महीने तक मंदिरों और गांवों में होली गीतों की गूंज सुनाई देगी। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ गेर नृत्य और पारंपरिक उत्सवों का सिलसिला भी जारी रहेगा।

पटवारी संजय कुमार मीणा ने बताया कि यह जालोर शहर में भक्त प्रह्लाद चौक में बुधवार को 8 बजे होली का डांडा रोपा गया। और डांडा भक्त प्रहलाद का प्रतीक माना जाता है, जिसे होलिका दहन के दौरान सुरक्षित निकाल लिया जाता है।

परंपरा के अनुसार, यह डांडा सेम के पौधे का होता है, जिसे गंगाजल से शुद्ध कर रोपण स्थल पर स्थापित किया जाता है। इसके चारों ओर लकड़ियां, उपले और जलने वाली सामग्री एकत्रित की जाती हैं, जो होलिका दहन के दिन प्रज्ज्वलित की जाएगी।

इस वर्ष होलिका दहन 13 मार्च 2025 को होगा, जिसके साथ ही रंगों का त्योहार धुलंडी भी धूमधाम से मनाया जाएगा। एक महीने तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान मंदिरों में भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और श्रद्धालुओं द्वारा ठाकुरजी के साथ फूलों व गुलाल की होली खेली जाएगी।

इस मौके पर पटवारी संजय कुमार मीणा, पंडित महेश चंद्र दवे, गांव चौधरी सादुल राम घांची, गमना राम माली, हीरा लाल घांची, मंगला राम सांखला, राजू घांची, राकेश सोलंकी, सुरेश कुमार घांची, मूल सिंह चारण, करण मीणा, अर्जुन विराश पटवारी लेटा, श्रवण कुमार ओड सहित शहरवासियों मौजूद रहे।

जालोर शहर के होलिका दहन स्थल पर रोपणी का डंडा रोपा।
फोटो-राष्ट्रदूत

अटल प्रगति पथ कार्य के लिए भूमि पूजन किया

जालोर,(कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सनातन संस्क्रति एवं धर्म के कार्य प्राथमिकता से हो रहे हैं। इसी कड़ी में जालोर जिले के उम्मेदाबाद ग्राम में धोरा ढाणी से सिलेश्वर महादेव मठ वाया आदर्श विद्या मंदिर उम्मेदाबाद तक अनुमानित 4 करोड़ 50 लाख की राशि से अटल प्रगति पथ के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा काशी विश्वनाथ, उज्जैन महाकाल, अयोध्या सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों का सौन्दर्यकरण व विकास कार्य करवाया जा रहा है।

मुख्य सचेतक ने बताया कि 24 फीट चौड़ी एवं 2.5 किमी लम्बाई में गुणवत्तापूर्व सीसी सड़क निर्माण अनुमानित 4 करोड़ 50 लाख की राशि से किया जाएगा जिसमें सड़क के दोनों ओर नाली निर्माण व ब्लॉक फीटिंग का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि जालोर में सिरे मंदिर का निर्माण कार्य भी पूर्ण होने पर सिरे मंदिर व झरनेश्वर महादेव मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सकेगी। जिला प्रमुख राजेश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि धोरा ढाणी से सिलेश्वर महादेव मंदिर उम्मेदाबाद तक सीसी सड़क निर्माण से सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। सिलेश्वर मठ के महंत आशा भारती महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला प्रमुख राजेश कुमार, उप जिला प्रमुख पेपी देवी, सायला प्रधान ढोमीदेवी, दीपसिंह धनानी, सरपंच सुश्री आशा कुमार सरगरा, उत्तम गर्ग, पुखराज विराणा, गणपतसिंह बगेडिया उपस्थित रहे।

राज्य के कलाकारों को रोजगार व पेंशन देने की मांग

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रमेश बोराणा ने कलाकारों को पर्याप्त पेंशन प्रदान करने का प्रावधान आगामी बज़ट में करने की राज्य सरकार से मांग की।

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रमेश बोराणा ने कहा है कि राजस्थान की सभी विधाओं के कलाकारों को जीवन यापन करने के लिए नियमित रोजगार के साथ वृद्ध व निराश्रित होने पर पर्याप्त पेंशन प्रदान करने का प्रावधान आगामी बज़ट में करना चाहिए

प्रदेश के वरिष्ठ कलाविद पूर्व राज्यमंत्री व राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रमेश बोराणा ने राज्य सरकार से मांग की है कि राज्य के संगीत, नृत्य, नाटक, लोक कलाओं सहित अन्य ललित कलाओं से जुड़े कलाकारों को संबल प्रदान करने की मंशा से पूर्ववर्ती गहलोत सरकार द्वारा सौ करोड़ रुपयों के प्रावधान से प्रारंभ की गई वर्ष में सौ दिन रोजगार गारंटी योजना जिसे वर्तमान सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है उसे अविलंब प्रारंभ किया जाना चाहिए।

बोराणा ने भजन लाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि विगत 15 महीनों से राज्य की कला संस्कृति संवर्द्धन के सभी जिम्मेदार संस्थान व अकादमियें बंद पड़ी है और वे कोई रचनात्मक आयोजन नहीं कर पायी है साथ ही सरकार की निष्क्रियता से प्रदेश के कला साहित्यकारों का पूरा बजट लैप्स हो गया है जबकि विगत सरकार में इन्ही अकादमियों ने बढ़ चढ़ के कला- साहित्यिक प्रवृत्तियों के रिकार्ड आयोजन किए थे जिसकी देश दुनियां में प्रसिद्धि हुई थी

बोराणा ने राज्य सरकार से माँग करते हुए कहा कि राज्य के कलाकारों व साहित्यकारों का भविष्य सुरक्षित करने एवम राज्य की रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के ध्येय से आगामी बजट में प्रभावी धन राशि का प्रावधान किया जाना अति आवश्यक है।

साथ ही सरकारी नौकरियों में कलाकर व साहित्यकारों के लिए कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए

बोराणा ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि मेले और उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण थाती है, जिन्हें बदलते समय व बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप विकसित तथा सुदृढ़ करना आवश्यक है जिससे श्रद्धालुओं व मेलार्थियों को प्रभावी सुविधा मिल सके

उन्होंने कहा कि भविष्य के विस्तार को देखते हुए मेला स्थलों का मास्टर प्लान भी बनाने हेतु बजट प्रावधान किया जाना चाहिये।

शिव जयंती महोत्सव शुरू

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर में बुधवार शाम को तपस्या धाम, ब्रह्माकुमारी कि ओर से शिव जयंती महोत्सव कि अध्यक्षता एवं मुख्य वक्ता जालौर संभाग प्रभारी राजयोगिनी बीके रंजू दीदी, मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित ,तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास एवं नगर पूर्व अध्यक्ष आनंदीलाल गुचिया के उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

रंजू दीदी ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य बताएं शिवरात्रि, व शिव जयंती का अर्थ है निराकार, ज्योति बिंदु परमपिता शिव परमात्मा कलयुगी घोर अज्ञान अंधकार रात्रि में इस धरती पर अवतरित होकर एक महान आध्यात्मिक ांति की रणभेरी बजा रहे हैं।मातृशक्ति को इस क्रांति का अग्रदूत बनाया है।उसे शिव शक्ति का नाम प्रदान किया। ज्ञान सूर्य शिव भगवान सभी को सत्य गीता ज्ञान, आत्मज्ञान परमात्मा की सत्य पहचान देकर, सहज राज योग सिखा कर सत्य सनातन धर्म, राम राज्य की स्थापना कर रहे हैं। जिससे हर मानव अपनी मन से खुशी खुशी से नशा मुक्त होकर बुराइयां को छोड रहे हैं। पोकरण केंद्र की संचालिका रिंकू बहन सभी का स्वागत किया। कुमारी हिमांशी ने मेहमानों का नृत्य द्वारा स्वागत किया।

सिणधरी से रूबी बहन, पादरू के बीके एकता बहन चांदराई के बीके ज्योति, पोकरण बीके पुष्पा बहन ने भाग लिया। कार्य म में यह रहे उपस्थित, लूणकरणचाण्डक , ओम प्रकाश पालीवाल, दिनेश छिपा, सनातन भाई कैलाश भाई ,हरिकिशन भाई ,नारायण भाई ,रमन भाई, एवं शांति माता भंवरी माता, सावित्री माता, जयश्री बहन, संगीता बहन ,पूनम बहन, शिप्रा बहन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

महाकवि माघ का शिशुपाल वध काव्य लोगों तक पहुंचाएं : गर्ग

भीनमाल, (निसं)। राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर, महाकवि माघ विकास संस्थान भीनमाल, स्थानीय प्रशासन, नगर पालिका एवं नगरवासियों के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय माघ महोत्सव का समापन बुधवार की रात्रि में सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन के साथ हुआ।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि स्थानीय विकास भवन में आयोजित रा य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं अकादमी की निदेशक डॉ. लता श्रीमाली, पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव, पूर्व विधायक नारायणसिंह देवल, कार्यवाहक उप खंड अधिकारी नीरज कुमारी व भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज पुरोहित ने सांस्कृतिक संध्या व कवि सम्मेलन का आगाज दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सांस्कृतिक संध्या के आगाज पर समारोह के मुख्य अतिथि जालोर विधायक व मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि संस्कृत में संवाद कोई रूढिवादिता का प्रतीक नहीं है। आधुनिक युग में भी संस्कृत भाषा फल-फूल रही है। गर्ग ने कहा कि भारत में ऐसा गांव भी है, जहां के ग्रामीण संस्कृत भाषा बोलते हैं। मुख्य सचेतक गर्ग ने महाकवि माघ के शिशुपाल वध काव्य को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। डॉ. लता श्रीमाली ने माघ महोत्सव को हर बार भव्य से भव्य बनाने की आमजन से अपील की। कार्यक्रम समन्वयक जबराराम भाटी ने बताया कि बालक-बालिकाओं द्वारा एक से बढकर एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई व पूरे समारोह में छात्र छात्राओं का योगदान बहुत ही सराहनीय रहा। इस दौरान स्थानीय मां भारती की वंदना कर वीर रस में काव्य पाठ किया। काव्य पाठ करने वालों में प्रतिभा भोजक, हनुमान दवे, दिनेश जालोरी व कई बाल कवि शामिल रहे। अतिथियों, भामाशाहों, कार्यकर्ताओं, प्रतिभागियों, रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों सहित निबंध, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वालो को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

भीनमाल में माघ महोत्सव का समापन सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन के साथ हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

दर्शनार्थियों का स्वागत किया

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती लुंबा की ढाणी से करीब 8० व्यक्तियों के संघ द्वारा महाकुंभ प्रयागराज की यात्रा पूर्ण कर सकुशल घर लौटने पर ग्रामीणों द्वारा ढोल ढमाकों के साथ स्वागत किया गया।

जानकारी के अनुसार महंत गुलाबराम महाराज के नेतृत्व में लसाराम, तिलोकाराम, दीपाराम, जेताराम, मगाराम, सांवलाराम, निम्बाराम, दरगाराम, रूगनाथराम, मानिंगाराम, वालाराम भुंडवा, तेजाराम, जेताराम सहित करीब 8० व्यक्तियों का संघ गत 5 फरवरी को लुंबा की ढाणी से रवाना होकर प्रयागराज कुंभ शामिल हुआ था। जहां अमृत स्नान कर अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट, आगरा, झांसी में पीतांबरा देवी, गौकुल, मथुरा, वृंदावन, मेंहदीपुर बालाजी, पुष्कर से दर्शन कर सात दिन की यात्रा पूर्ण कर घर पहुंचे। दर्शनार्थियों का ग्रामीणों की ओर से साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। राजाराम मंदिर आश्रम लुंबा की ढाणी में यात्रियों के परिजनों ने भव्य भोजन प्रसादी का आयोजन किया। वही रात्री में भजनों का आयोजन भी किया।

इस दौरान हडमताराम, अकाराम, दुदाराम, लादाराम, हरचंदराम, जगाराम करड, नारनाराम, आशाराम, नगाराम, अजबाराम, धुखाराम, चेलाराम, गेबाराम भोलानी, गुलाबसिह सहित कई लोग मौजूद थे।

जलग्रहण यात्रा चौरा में, कलश यात्रा निकाली

जालोर, (कासं)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 वाटरशेड विकास घटक के तहत जालोर जिले की ग्राम पंचायत चौरा में जलग्रहण यात्रा अभियान का आगमन होने पर लगभग 300 छात्राओं व महिलाओं ने कलश यात्रा के साथ स्वागत किया।

मुख्य अतिथि वाटरशेड सेल कम डाटा सेंटर जालोर के अधीक्षण अभियंता लक्ष्मणसिंह सांदू ने जल व भू-संरक्षण के प्रति आमजन में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक दिवस पूर्व ग्राम पंचायत चौरा व हरियाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता आयोजन रखा गया जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण करने के साथ ही जलग्रहण, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले स्थानीय लोगों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि ने 15 टांकों का लोकार्पण एवं 6 टांकों का शिलान्यास किया गया। वही छात्र-छात्राओं द्वारा जन जागरूकता रैली एवं वाटरशेड वैन का ग्राम पंचायत क्षेत्र में भ्रमण करवाकर लोगों को जल संग्रहण, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षणस के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम समापन पर चारागाह में ग्रामीणों की ओर से जलग्रहण यात्रा की टी-शर्ट पहनकर 50 पौधों का रोपण करने के साथ ही पूर्व में लगाए गए 2000 पौधों की निराई व गुडाई का कार्य किया गया।

कार्यक्रम स्थल में सेल्फी पॉइन्ट पर सेल्टी लेने के लिए लोगों में उत्साह दिखाई दिया। पंचायत समिति चितलवाना के सहायक अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि जलग्रहण यात्रा 14 फरवरी को डूंगरी पहुंचेगी।

ध्यान साधना कार्यक्रम हुआ

जालोर, (कासं)। भारत विकास परिषद्, जालोर एवं जीवन आनंद योगा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार माघ पूर्णिमा की रात्रि को शहर के स्टेशन रोड स्थित नेहरू उद्यान में एक ध्यान साधना कार्यक्रम का आयोजन परिषद् के प्रांतीय उपाध्यक्ष पदमाराम चौधरी के आतिथ्य एवं जीवन आनंद योगा फाऊंडेशन एवम् परिषद् शाखाध्यक्ष व योग प्रशिक्षक राजेन्द्र भूतड़ा के निर्देशन में हुआ।

चंद्रमा की शीतल धवल चांदनी में रात्रि करीब 8-15 बजे सर्वप्रथम चन्द्रमा को सामूहिक रूप से जल का अर्ध्य देते हुए मंत्र के साथ साधकों ने मेडिटेशन योग का शुभारंभ किया। इस मौके पर महेन्द्र आनंद वैष्णव, कमल किशोर भूतड़ा, राजेन्द्र सिंह काबावत, पुखराज सिंह, धर्मेंद्र पटवा, ललित दवे, शान्तु मुथा, मनीष चौधरी, निलेश, श्यामा भूतडा, श्रेया माहेश्वरी, शिखा भूतडा, सरला गट्टानी, वंदना भूतडा, इन्दु दवे, सपना भंडारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

फ्रेंचाइजी ने आरसीबी का नया कप्तान मुझे नियुक्त किया है। माना जा रहा था कि कोहली और मुझमें से किसी एक को टीम की कमान सौंपी जा सकती है।
– रजत पाटीदार

भारतीय बल्लेबाज, मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **डी गुकेश**

विश्व शतरंज चैंपियनशिप में डिंग लिरेन के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले डी गुकेश अपने शांत व्यवहार के लिए जाने जाते है। जीत के बाद भी उन्होंने शांत होकर ही अपनी जीत का जश्न मनाया। जिस शांत तरीके से गुकेश ने अपनी जीत और सफलता की खुशी मनाई थी, उसे देखकर पूरी दुनिया हैरान थी। ये पता चला कि मानसिक कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन गुकेश की विश्व चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे। अप्टन 2011 के वनडे विश्व कप जीत के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के साथ काम करने के लिए प्रसिद्ध हैं।

क्या आप जानते हैं ?... साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच मेलबर्न में ये मैच में खेला गया क्योंकि पूरा टेस्ट मैच पहले दिन के सिर्फ पांच घंटे और 53 मिनट के खेल में ही खत्म हो गया।

चौटिल पूजा वस्त्रकार, आशा शोभना डब्ल्यूपीएल से हुई बाहर

नई दिल्ली, 13 फरवरी। मुंबई इंडियंस (एमआई) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की लेग स्पिनर आशा शोभना चोट के कारण वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 से बाहर हो गई हैं। मलेशिया में अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही परुनिका सिसोदिया और रेलवे की विकेटकीपर-बल्लेबाज नुजहत परवीन को क्रमशः एमआई और आरसीबी ने अपनी-अपनी टीमों शामिल किया है।

आईजीआई, हंसराज, खालसा, एसआरसीसी और एसपीएम कॉलेज ने जीते अपने-अपने मुकाबले

नई दिल्ली, 13 फरवरी। इंदिरा गांधी इंस्टीट्ययूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, हंसराज कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने गुरुवार को 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी (महिला एवं पुरुष) टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्ययूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज में किरोड़ी मल कॉलेज को 8-1 हराया। इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ से फरमान और राम यादव ने दो-दो गोल किए और शेखर, सुमित, पुलकित और गुरमुख ने एक-एक गोल किया जबकि किरोड़ीमल कॉलेज की तरफ से एक गोल प्रज्ञात आनंद ने किया। पुलकित को उनके शानदार खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

हम चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने में सक्षम है : शांतो

दुबई, 13 फरवरी। बंगलादेश के कप्तान नजमुल हुसैन ने कहा है कि उनकी टीम चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने में सक्षम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शांतों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों को चेतावनी के लहज में कहा है कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंट में खिताब जीतने की सोच के साथ मैदान में उतरेंगी। शांतो का मानना है कि बंगलादेश की टीम का विश्वास बढ़ रहा है और उन्हें भरोसा है कि उनकी टीम 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में सबको चौंका सकती है।

राजस्थान महिला अंडर-23 कैम्प में दौसा से दो महिला खिलाड़ियों का चयन

जयपुर, 13 फरवरी। ज़िला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान की अंडर-23 महिला कैम्प में दौसा जिले से दो महिला खिलाड़ी निधि सैनी और याना वर्मा का चयन हुआ है।यह कैम्प आरसीए द्वारा 13 फरवरी से आरसीए एकेडमी में आयोजित किया जाएगा। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह बताया गया कि अब राजस्थान की टीम में प्रत्येक फॉर्मेट में दौसा जिले से खिलाड़ियों का कैम्प में और टीम में शामिल होना हमारे जिले के खिलाड़ियों के लिए गौरव की बात है ।आगे और टीम में हमारे खिलाड़ियों की खेल में गुणवत्ता कैसे सुधरे इसका प्रयास किया जा रहा है इससे पूर्वी भी अंडर 19 महिला टीम में राजस्थान की और से दौसा। जिले से 4 महिला खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया था जो कि दौसा जिले के लिए गौरव की बात है साथ ही जिला संघ के सभी पदाधिकारियों द्वारा चयनित महिला खिलाड़ियों को बधाई दी गई और उज्जवल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया।

चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने जयपुर ब्लूज को तीन विकेट से हराया

जयपुर, 13 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने जयपुर ब्लूज को 3 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में चम्बल स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले जयपुर ब्लूज को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जयपुर ब्लूज ने सचिन जाट के 79 रन, हर्ष यादव के 31 रन, लखन भारती के 54 रन, कुलदीप खुरानिया के 40 रन व योगेंद्र काकोडिया के 19 रनों से 47.2 ओवर में 256 रन बनाए। चम्बल स्पोर्ट्स क्लब के लिए मिहित अग्रवाल ने 31 पर 3, यश पांडे ने 42 पर 3, दिव्यांश शर्मा ने 36 पर 2 व आर्यन जैन एक विकेट लिया। जवाबी पारी में चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने हार्दिक कुक्कड़ के 62 रन, राहुल खंडेलवाल के 17 रन, लोकेश सैनी के 20 रन, आर्यन जैन के 45 रन, श्रेय सक्सेना के 39 रन नाबाद व मिहित अग्रवाल के 35 रनों से 49.3 ओवर में 7 विकेट पर 259 रन बनाकर मैच जीत लिया। जयपुर ब्लूज के लिए मेहुल पारीक ने 31 पर 2, राहुल चौधरी ने 40 पर 2, लखन भारती व हिमांशू राणा ने 1-1 विकेट लिया। 14 फरवरी को सुराणा क्रिकेट एकेडमी बनाम राजीव गांधी क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

आईसीसी ने लगाया तीन पाकिस्तानियों पर भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 13 फरवरी। आईसीसी ने पाकिस्तान के तीन खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया है। उसने शाहीन अफरीदी, सउद शकील और कामरान गुलाम को सजा सुनाई है। आईसीसी ने गुरुवार को एक्स के जरिए इसकी जानकारी शेयर की। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया था। इस मुकाबले के दौरान तीनों ने आईसीसी के नियमों को तोड़ा था। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के मैच के दौरान ये तीनों ही खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में आ गए थे।पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिये टीम इंडिया के साथ नहीं जाएगा परिवार

बीसीसीआई की नई ट्रैवल पॉलिसी है वजह

नई दिल्ली, 13 फरवरी। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी अपने परिवार को साथ नहीं ले जा सकते। दरअसल, बीसीसीआई की नई यात्रा नीति पहली बार इस टूर्नामेंट के जरिए लागू हो रही है। भारतीय टीम को पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में खेलना है। इसके बाद 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से सामना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला दो मार्च को होना है।

रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, जबकि बाकी टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान के 3 शहरों में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल 9 मार्च को है, लिहाजा ये दौरा 3 हफ्ते से कम समय का ही है, जिसमें बीसीसीआई खिलाड़ियों के परिवार को साथ जाने की मंजूरी नहीं देगा। नई नीति के तहत 45 दिन या उससे लंबे दौरे पर ही परिवार खिलाड़ियों के साथ अधिकतम दो हफ्ते के लिए जा सकता है। अगर कुछ बदलता है तो बात अलग है, लेकिन अभी तो खिलाड़ियों के साथ उनका परिवार नहीं जा रहा।

एक सीनियर खिलाड़ी ने इसके बारे में पूछा था लेकिन उसे बताया गया कि नई नीति का पालन किया जाएगा। बोर्ड की नीति में कहा गया है कि, विदेश दौरे पर 45 दिन या उससे ज्यादा समय भारत से बाहर रहने पर खिलाड़ी की पत्नी और बच्चे अधिकतम दो सप्ताह के लिए साथ रह सकते हैं। इस नीति से अलग जाने पर उन्हें कोच, कप्तान और मैनेजमेंट से मंजूरी लेनी होगी। इससे इतर अवधि के लिए खर्च भी बोर्ड नहीं उठाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की 1-3 से हार के बाद ये नीति बनाई गई थी।निजी स्टाफ जैसे मैनेजर, एजेंट और शेफ पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी स्टाफ पहले टीम और कोचिंग ग्रुप के साथ रहता था। नए नियम के अनुसार, कोचिंग स्टाफ के एक सदस्य का निजी सचिव जो नियमित रूप से टीम होटल में रहता था अब अलग होटल में रहेगा। वहीं ऐसा भी माना जा रहा है कि बोर्ड कुछ खिलाड़ियों की विशेष आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ शेफ को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

इंग्लैंड टीम पर भड़के दिग्गज पीटरसन

नई दिल्ली, 13 फरवरी। इंग्लैंड टीम को भारत दौरे पर बहुत बुरी असफलता देखने को मिली। भारत के खिलाफ पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से करारी शिकस्त झेलने का मिली। उसके बाद वनडे सीरीज भी उसे 3-0 से गंवानी पड़ी। इस दौरान अहमदाबाद वनडे में कमेंट्री के दौरान पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूरी सीरीज में केवल एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन को अपने देश की टीम का ये फैसला खंजर की तरह चुभ रहा है पीटरसन इंग्लिश टीम पर जमकर भड़के हैं। उन्होंने इंग्लिश खिलाड़ियों को प्रतिबद्धता की कमी पर आड़े हाथ लिया। पीटरसन ने डिज्नी हॉटस्टार पर इंग्लैंड की हार के बाद कहा कि, रवि शास्त्री और मैं ऊपर बात कर रहे थे कि इन लोगों ने कम से कम पिछले हफ्ते प्रैक्टिस तो की होगी। उन्होंने सिर्फ नागपुर मैच से एक दिन पहले एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। उसके बाद से उन्होंने अभ्यास नहीं किया। केवल एक बल्लेबाज जो रूट ने नेट पर अभ्यास किया था। मुझे अफसोस है लेकिन आप उपमहाद्वीप में आकर वही गलतियां नहीं कर सकते। फिर तय करते हैं कि प्रैक्टिस नहीं करेंगे।

रणवीर इलाहबादिया से विराट और युवराज ने किया किनारा

नई दिल्ली, 13 फरवरी। सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट शेयर करके दावा किया जा रहा है कि विराट कोहली रणवीर इलाहबादिया को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते थे। हालांकि, विवाद के बाद कोहली की फॉलोइंग लिस्ट में रणवीर का नाम नहीं है। ऐसा कहा जा रहा है कि विराट कोहली ने विवाद के बाद ही रणवीर को अनफॉलो किया है। वह नहीं चाहते हैं कि किसी भी तरह उनका नाम जोड़ा जाए।

मेडिकल टीम पर निर्भर करता है जसप्रीत बुमराह कितने समय तक बाहर रहेंगे : गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 13 फरवरी। टीम इंडिया को उस वक्त 440 वोल्ट का झटका लगा, जब धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए। वह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांचवें और आखिरी टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। संभावना जताई जा रही थी कि बुमराह 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी तक फिट हो सकते हैं। लेकिन बीसीसीआई ने हाल ही में अपडेटेड भारतीय स्क्वॉड से जसप्रीत बुमराह का नाम हटा दिया। उनके रिप्लेसमेंट के रूप में पेसर हर्षित राणा आए हैं। अब टीम इंडिया के हेड को गौतम गंभीर ने बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने पर चुप्पी तोड़ी है।गंभीर ने अमहदाबाद में तीसरे वनडे के बाद कहा कि, जाहिर है कि वह बाहर हो गए हैं। लेकिन मैं आपको सारी डिटेल नहीं दे सकता क्योंकि ये मेडिकल टीम पर निर्भर करता है कि वह कितने समय तक बाहर रहेंगे। एनसीए में मेडिकल टीम ही निर्णय लेती है। कोच ने कहा कि, जाहिर है कि हम उन्हें टीम में चाहते थे। हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। हालांकि, कुछ चीजें आपके हाथ में नहीं होती। ये युवा खिलाड़ियों, जैसे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह के लिए एक अवसर है। कभी कभी ये ऐसे अवसर होते हैं जिनकी आपको तलाश होती है। हर्षित ने पूरी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने कुछ अहम विकेट लिए हैं। हम सभी जानते हैं कि अर्शदीप क्या कर सकते हैं। हां बुमराह की कमी हमेशा खलेगी। लेकिन शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी का वापस आना हमेशा अच्छा होता है। हर्षित ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड वनडे सीरीज में तीन मैचों में कुल 6 विकेट झटके। अर्शदीप को एक मैच खेलने का मौका मिला। उन्होंने अहमदाबाद में दो शिकार किए। अनुभवी पेसर शमी ने दो मुकाबलों में दो विकेट लिए। वह आखिरी वनडे में भारतीय प्लेइंग का हिस्सा नहीं थे। भारत ने मंगलवार को अपने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय स्क्वॉड में दो बदलाव किए। हर्षित के अलावा मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की स्क्वॉड में एंट्री हुई है। उन्हें बल्लेबाज यशस्वी जायसवला की जगह शामिल किया गया। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत का अपडेटेड स्क्वॉड- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा।

5वां रोशनलाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट
विपुल ने राज खत्री को हराया

जयपुर, 13 फरवरी। राजापार्क स्थित सिंह बिलियर्ड्स में आयोजित 5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट में गुरुवार को खिलाडियों का प्रदर्शन में आज उलटफेर देखने को मिला। आज के मुख्य मैचों के स्कोर ऐसे रहे, आनंद को नमन ने 21-33, 59-49 से हराया, कुणाल ने प्रववी. की 64-66,34-47 से हराया, विशाल ने युसुफ की 53-48, 28-44 से हराया, सन्नी ने सौरभ को 53-32, 46-52, 53-18 से हराया सू कुमार में बाबू को 64-28.60-13 से हराया यश ने डा0 रमेश को 67-49,10-42, 14-72 से हराया।

26वें जयपुर विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का आयोजन 22 व 23 मार्च को

जयपुर, 13 फरवरी। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब द्वारा राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से जयपुर के ताज जय महल पैलेस में 22 और 23 मार्च को जयपुर विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का 26वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इसकी घोषणा अशोक क्लब में राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब की सामान्य बैठक में की गई।

इस वर्ष शो में 100 से ज्यादा विंटेज और क्लासिक कारें शोकेस की जाएंगी, इनमें 100 साल से अधिक पुरानी कारें भी शामिल होंगी। ये कारें सिर्फ राजस्थान से ही नहीं बल्कि दिल्ली, गुड़गांव, चंडीगढ़ और मुंबई सहित अन्य राज्यों से भी आएंगी। यह जानकारी राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर के जनरल सेक्रेटरी, अविजित सिंह बदनोर ने दी।

इस अवसर पर राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष, दयानिधि कासलीवाल; उपाध्यक्ष, सुधीर कासलीवाल; सुधांशु कासलीवाल और हमीद गनी सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इवेंट में फोर्ड मॉडल टी (1913), ऑस्टिन चम्मी (1923), रोल्स रॉयस (1934), कैडिलैक (1958), कैडिलैक वी16 (1931), शेवरले इम्पाला (1958), पैकर्ड कैवेलियर (1952) इंपीरियल आदि जैसी कई अनूठी विंटेज और क्लासिक कारें शामिल होंगी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में देशभर से कार प्रेमी, कार क्लब और ऑटोमोबाइल में रुचि रखने वाले लोग हिस्सा लेंगे। एग्जीबिशन 22 मार्च को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक निशुल्क रहेगी। 23 मार्च को इन कारों की ड्राइव निकाली जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन उन पुराने मैकेनिकों को रोजगार के अवसर पैदा करने की प्रेरणा और उद्देश्य भी देता है, जिनका हुनर बदलती टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन के कारण बेकार हो गया है।

कल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 12 गोल का अंतर्राष्ट्रीय पोलो मैच

जयपुर, 13 फरवरी। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर 15 फरवरी को हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच खेला जाएगा। 12 गोल का यह मैच भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीकी टीम के बीच खेला जाएगा। यह मैच मौजूदा पोलो सीजन का मुख्य आकर्षण होगा।

भारतीय पोलो टीम का नेतृत्व हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह (3) करेंगे। टीम के अन्य सदस्य अभिमन्यू पाठक (3), शमशीर अली (3), सिमरन शेरगिल (3) हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम में डंकन लो (2), टायसेन ओसुलिवन (4), जोहान डू प्रीज़ (4), उलरिच स्पाइज़ (2) शामिल होंगे। हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि हर सीजन में इस तरह के अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच आयोजित किए जाएं। यह मैच गुलाबी नगर के पोलो प्रेमी दर्शकों के लिए एक बड़ा उपहार होगा। उन्होंने जयपुर में इस अंतर्राष्ट्रीय मैच के आयोजन के लिए इंडियन पोलो एसोसिएशन (आईपीए) के मानद सचिव, कर्नल वीएस कहलों, वीएसएम को धन्यवाद दिया। उन्होंने जयपुरवासियों से भी बड़ी संख्या में इस मैच को देखने के लिए आने का आग्रह किया।

आज से विमेंस प्रीमियर लीग का आगाज, 5 टीमों के बीच 22 मुकाबले

नई दिल्ली, 13 फरवरी। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 का 14 फरवरी से आगाज होने जा रहा है। टूर्नामेंट की पांच टीमों के बीच कुल 22 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन का पहला मैच पिछले सीजन की विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच खेला जाएगा। बता दें कि, डब्ल्यूपीएल के अभी तक दो ही सीजन हुए हैं।साल 2023 में शुरू हुई इस लीग का पहला सीजन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई ने जीता था तो दूसरा सीजन 2024 स्मृति मंदाना की कप्तानी में आरसीबी ने जीता था। आरसीबी ने 2024 में कमाल का प्रदर्शन किया था। अब वह 2025 के सीजन के पहले मैच में गुजरात से भिड़ेगी।

वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 में कुल 5 टीमें आपस में भिड़ेंगी। जिसके तहत सभी टीमों के बीच कुल मिलाकर 22 मैच खेले जाएंगे। का एलिमिनेटर मैच 13 मार्च को मुंबई में आयोजित होगा। वहीं इसके बाद फाइनल मैच 15 मार्च को खेला जाएगा। ये मैच भी मुंबई में ही खेला जाएगा। पिछले साल एलिस हीली ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। एलिसा को ऑरेंज कैप मिली थी, उस दौरान उन्होंने 347 रन बनाए थे। तो दूसरी तरफ श्रेयंका पाटिल ने सबसे ज्यादा विकेट 13 अपने नाम किए थे। बता दें कि, 2024 का फाइनल दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच खेला गया था। आरसीबी ने दिल्ली को 8 विकेट से मात दी थी।

खिलाड़ी डिजिटल रिपॉजिटरी में करे अपने सर्टिफिकेट अपलोड
स्पोर्ट्स प्रमाण-पत्र के लिए 'डिजिटल रिपॉजिटरी' पोर्टल खिलाड़ियों को समर्पित

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना में स्पोर्ट्स प्रमाण-पत्र के लिए डिजिटल रिपॉजिटरी पोर्टल खिलाडियों को समर्पित कर दिया गया है। जिसमें खिलाड़ियों ने सर्टिफिकेट अपलोड करना भी शुरू कर दिया है। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि अब रिपॉजिटरी पोर्टल खिलाड़ियों को उनके सभी खेल प्रमाण पत्रों को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने की सुविधा देगा, जिससे उन्हें भौतिक प्रमाण पत्रों की सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। उन्होने बताया कि खिलाडी एस.एस.ओ. आइडी पर लोगिन करें, जंहा स्पोट्र्स व यूथ पर क्लिक करके जीटूसी आइकोन पर क्लिक करे, जिसके बाद स्पोट्र्स और यूथ पर क्लिक करें। इसके बाद अलग-अलग मोड दिखाई देगे, जिसमें डिजिटल रिपोजिटरी आईकन पर क्लिक करके जनाधार अपलोड कर देंने के बाद अपने आप डिटेल आ जायेगी। इसके बाद खिलाडी जिन प्रतियोगिताओं में खेले उनके सर्टिफिकेट अपलोड कर फिर सबमिट कर दे।

राजस्थान रॉयल्स ने साईराज बहुतुले को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया

पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रॉयल्स के कोचिंग सेटअप में वापस लौटे, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ फिर से जुड़े

जयपुर, 13 फरवरी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे प्रतिष्ठित फ्रैंचाइजी में से एक, राजस्थान रॉयल्स ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को टीम के स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। 52 वर्षीय साईराज बहुतुले 2018-21 से सेटअप का हिस्सा रहे हैं और रॉयल्स में वापस लौटे हैं। उनके पास अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू अनुभव का खजाना है। भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक दिग्गज, बहुतुले के पास प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 630 से अधिक विकेट और 6,000 रन बनाने का प्रभावशाली रिकॉर्ड है। उन्होंने दो टेस्ट और आठ वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद से एक सफल कोचिंग करियर में तब्दील हो गए हैं, जिसमें उन्होंने मुंबई, बंगाल, केरल और भारतीय राष्ट्रीय पुरुष टीम जैसी टीमों को सलाह दी है, जहाँ उन्होंने उभरती प्रतिभाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बहुतुले का फ्रैंचाइज़ी में स्वागत करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा: सैराज की स्पिन गेंदबाजी की गहरी समझ और उनके व्यापक कोचिंग अनुभव ने उन्हें हमारी टीम के लिए एक अमूल्य जोड़ बना दिया है। युवा गेंदबाजों को सलाह देने की उनकी सिद्ध क्षमता राजस्थान रॉयल्स में हमारे विजन के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। उनके साथ पहले काम करने के बाद, मुझे विश्वास है कि उनकी अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन हमारे खिलाड़ियों को काफी लाभान्वित करेगा क्योंकि हम आगामी सीज़न में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हैं।" अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, साईराज बहुतुले ने टिप्पणी की: "राजस्थान रॉयल्स में फिर से शामिल होना एक बहुत बड़ा सम्मान है।

प्रतिभा को निखारने और क्रिकेट का एक रोमांचक ब्रांड खेलने के लिए फ्रैंचाइज़ी की प्रतिबद्धता मेरे अपने कोचिंग दर्शन से मेल खाती है। मैं राहुल और बाकी कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर हमारे गेंदबाजी आक्रमण को विकसित करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य आगामी सीज़न में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करना है।" यह नियुक्ति 2025 के आईपीएल सीज़न की तैयारी के लिए विश्व स्तरीय कोचिंग समूह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स के समर्पण को रेखांकित करती है।

जब आरसीए से खेल परिषद का एमओयू खत्म हो गया तो एकेडमी में होटल कैसे बिना एमओयू के संचालित हो रही है

होटल संचालक पर कौन मेहरबान ?

जयपुर, 13 फरवरी। आरसीए की ओर से कई करोड़ रुपए की बकाया भुगतान राशि नहीं देने के कारण खेल परिषद की ओर से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन, राजस्थान क्रिकेट अकादमी के ऑफिस, सवाई मानसिंह स्टेडियम और होटल को कब्जे में ले रखा है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और खेल परिषद के बीच स्टेडियम को लेकर हुआ एमओयू 22 फरवरी, 2024 को खत्म हो गया था। इसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने खेल परिषद से इसकी समय अवधि आगे बढ़ाने की मांग की थी लेकिन खेल परिषद ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की समय अवधि को आगे नहीं बढ़ाते हुए सवाई मानसिंह स्टेडियम और आरसीए एकेडमी को कब्जे में लिया था, इसको लेकर खेल परिषद सचिव ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव को पत्र लिखा था, जिसमें एमओयू खत्म होने के बाद फिर से एमओयू नहीं होने का हवाला दिया था। वहीं शर्तों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया था जिसके बाद खेल परिषद ने कार्रवाई करते हुए स्टेडियम पर अपना कब्जा ले लिया और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पर खेल परिषद ने ताले लगा दिए थे। अब सवाल यह उठता है कि जब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन जोकि सवाई मानसिंह स्टेडियम पर क्रिकेट का सुचारू संचालन करती थी उसे एमओयू के चलते बाहर का रास्ता दिखा दिया था। लेकिन राजस्थान क्रिकेट एकेडमी में संचालित होटल जिसका एमओयू राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से था वो अब तक बिना किसी एमओयू के वहां कैसे संचालित हो रही है। जबकि पंकज सिंह जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। एकेडमी में होटल का संचालन किस टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत किया गया? खेल परिषद ने कब एमओयू किया या लीज़ पर दिया? इससे होने वाली इनकम का कौन धनी-धोरी है? इसका पता नही चल पाया है। क्रिकेटरो के जीवन को तराशती राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ओर पंकज सिंह जैसे होनहार क्रिकेटर को स्टेडियम से बाहर का रास्ता दिखाने वाली खेल परिषद कैसे होटल संचालक पर किसके कहने या आदेश पर मेहरबान हो रही है। इस दाल में कितना कलापन है ये वक़्त बताएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को एक निजी होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से नए राजस्थान, बदलते राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना साकार होगा।

'राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में कैपिटल एक्सपैंडिचर में 65 % से अधिक वृद्धि की है'

मु.मंत्री भजनलाल ने यह भी कहा कि, राज्य सरकार ने एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को व अडोबी जैसी कम्पनियों से साझेदारी की है। इससे बड़ी संख्या में इच्छुक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल रहा है

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को एक निजी होटल में जैनपैक्ट ग्लोबल मीट को सम्बोधित किया और जेनपैक्ट के गठन के 20 साल पूरे होने पर बधाई दी और कहा कि जयपुर और जोधपुर में जैनपैक्ट में कार्यरत 8 हजार लोगों में से 90 प्रतिशत स्थानीय हैं।**

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए सरकार तथा निजी क्षेत्र द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से नए राजस्थान, बदलते राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना साकार होगा।

शर्मा गुरूवार को एक निजी होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेनपैक्ट के गठन के 20 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए कहा कि जयपुर और जोधपुर में जेनपैक्ट में कार्यरत लगभग 8 हजार लोगों में 90 प्रतिशत से अधिक काम करने वाले स्थानीय हैं। यह पूरा इको-सिस्टम राज्य में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में भी जेनपैक्ट ने निवेश कर हजारों लोगों को रोजगार देने की योजना बनाई है। इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन चिन्हीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और राज्य सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए पूरा सहयोग कर रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही कैपिटल एक्सपैंडिचर में 65 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को और अधिक बढ़ाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को, अडोबी जैसी अनेक कंपनियों से साझेदारी की गई है। इससे बड़ी संख्या में इच्छुक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जेनपैक्ट के सीईओ बी.के. कालरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में निवेश में अभूतपूर्व काम हो रहा है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट से निवेशकों के लिए राज्य में निवेश की नई राह खुली है। उन्होंने कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जेनपैक्ट वर्तमान में राज्य में हजारों युवाओं को रोजगार दे रही है तथा आगे भी प्रदेश के विकास में वे अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएंगे।

इस अवसर पर जेनपैक्ट के कंन्ट्री हैड पीयूष मेहता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल सहित अधिकारीगण, जेनपैक्ट कंपनी के अधिकारी एवं देश-विदेश से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

'20 माह पहले ही लगा देते राष्ट्रपति शासन तो इतना नुकसान नहीं होता'

- **मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस ने कहा।**

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन यदि 20 माह पहले ही लगा दिया होता तो वहां नागरिक हिंसा में मारे नहीं जाते और हजारों लोगों को विस्थापित नहीं होना पड़ता। पार्टी ने कहा है कि मणिपुर में आखिरकार वही हुआ जिसकी मांग कांग्रेस पिछले 20 माह से कर रही है, अब मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह तब हुआ है जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में संविधानिक तंत्र के पूर्ण रूप से ठप्प हो जाने की बात कही, जिसके चलते 03 मई 2023 से अब तक 300 से अधिक लोगों की हत्या और 60,000 से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का विस्थापन हुआ। यह तब हुआ है जब मणिपुर के सामाजिक ताने-बाने को गंभीर रूप से क्षति पहुंचने दी गई। यह तब हुआ है जब फरवरी 2022 में भाजपा और उसके सहयोगियों को भारी बहुमत मिला लेकिन उनकी राजनीति ने महज़ पंद्रह महीनों के भीतर इस भयानक त्रासदी को जन्म दिया।

उन्होंने कहा यह तब हुआ है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर की स्थिति संभालने में पूरी तरह से विफल रहे जबकि इस दायित्व को प्रधानमंत्री ने उन्हें सौंपा था और यह तब हुआ है जब दुनिया भर में घूमने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर जाने और वहां सुलह प्रक्रिया शुरू करने से लगातार इन्कार करते रहे।

कृषि उपज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उक्त कार्यों पर स्वीकृत लगभग 24 करोड़ रुपये की राशि से कृषि उपज मण्डी समितियों का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा, जिससे व्यापारियों एवं किसानों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलेंगी। वहीं सम्पर्क सड़कों के निर्माण से किसानों एवं आमजन की मण्डी समिति तक पहुंच सुगम होगी। साथ ही, किसानों को कृषि जिन्सों के विक्रय करने में समय एवं ईंधन की बचत भी होगी।

नया इनकम टैक्स बिल लोकसभा में पेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते समय नया इनकम टैक्स बिल लाने की घोषणा की थी

- **नए बिल में कर प्रणाली का सरलीकरण करने पर जोर दिया गया है।**
- **नए बिल में 536 सैक्शन, 16 अनुसूचियां व 23 चैप्टर्स हैं।**

नई दिल्ली, 13 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए इन्कम टैक्स बिल 2025 को लोकसभा में पेश कर दिया। यह बिल पुराने आयकर कानून से काफी अलग है। इस बिल के तहत टैक्स फाइलिंग से जुड़ी जटिलताओं को खासतौर पर कम करने की कोशिश की गई है। निर्मला सीतारमण ने सदन में इस बिल को पेश करते हुए कहा कि नए बिल के तहत शब्दों की संख्या घटाई गई है। लोकसभा में पेश किए गए इस नए बिल में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इन्कम टैक्स एक्ट 2025 पहले से सरल, पारदर्शी और टैक्सपेयर के अनुकूल बनाने का दावा किया गया है। ज्ञातव्य है कि बीते दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश करते समय इस बात का ऐलान किया था कि केंद्र सरकार नया आयकर बिल लेकर आ रही है।

नए टैक्स नियमों का बिल के पारित होने के बाद कई नए शब्दों का चलन बढ़ जाएगा। जैसे पहले फाइनेंशियल ईयर, प्रीवियस ईयर, असैसमेंट ईयर और ऐसे ही कई शब्दों का इस्तेमाल किया जाता था। वहीं अब इनकी जगह टैक्स ईयर शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे टैक्सपेयर्स को समझने में आसानी होगी।

नए बिल के तहत छूट से लेकर नए नियमों को अलग-अलग सैक्शन में विस्तार से बताया गया है। नए बिल के तहत कुल 536 सेक्शन, 16 अनुसूचियां और कुल 23 चैप्टर्स हैं।

मौजूदा कानून में कुल 14 अनुसूचियां हैं लेकिन अब नए बिल में इसकी संख्या को बढ़ाकर 16 कर दिया गया है।

सरकार ने नए आयकर विधेयक 2025 को अप्रैल 2026 से तक लागू करने का प्रस्ताव दिया है। यानी यह साफ है कि नया कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू हो सकता है।

नए कानून के तहत टोटल इन्कम कैलकुलेशन के लिए होम प्रॉपर्टी और कैपिटल गेन से इन्कम समेत कुछ धाराओं या अनुसूचियों के तहत कोई छूट या कटौती नहीं होगी।

नए कानून के तहत डिफेंस सर्विस, जैसे आर्मी, पैरा फोर्स और अन्य कर्मचारियों को मिली ग्रेच्युटी को टैक्स से छूट दी जाएगी। मेडिकल, होम लोन, पीएफ, हायर एजुकेशन पर लोन जैसे लोन्स पर टैक्स छूट जारी रखी गई है।

कहा जा रहा है कि नए बिल के कानून बनते ही अंग्रेजों के जमाने के ऐसे कई शब्दों का इस्तेमाल भी बंद हो जाएगा। इन शब्दों का इस्तेमाल बीते 60 साल से किया जा रहा है। साथ ही इन्कम टैक्स के नियमों में इस्तेमाल की भाषा को भी सरल बनाया जाएगा ताकि कोई भी आम इंसान इसे आसानी से समझ सके।

अमेरिका में भारी समर्थन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तुलना में गैर-सहयोगी राज्यों और शहरों की संघीय निधि रोकने के पक्ष में ज्यादा रुझान दर्शाया हैं।

जातीय या नस्लीय पृष्ठभूमि को अनदेखा कर दें तो डैमोक्रेट्स ट्रम्प की आप्रवासन नीतियों का भारी विरोध करते हैं। हालांकि, एशियाई (43 प्रतिशत) और अश्वेत (40 प्रतिशत) डेमोक्रेट्स प्रशासन के निर्वासन प्रयासों का समर्थन करते हैं, जबकि श्वेत (32 प्रतिशत) और हिस्पैनिक (27 प्रतिशत) डेमोक्रेट्स कम समर्थन दिर्शाते हैं। यह दर्शाता है कि राजनीतिक विचारों का जातीय और नस्लीय समूहों के भीतर भी गहरा प्रभाव है, जो अमेरिका में आप्रवासन मुद्दों पर गहरे ध्रुवीकरण को उजागर करता है।

जनता की ट्रंप की आप्रवासन नीतियों पर राय राजनीतिक रुझान के अनुसार काफी भिन्न है। रिपब्लिकन और रिपब्लिकन-झुकाव वाले स्वतंत्र लोगों में 74 प्रतिशत लोग महसूस करते हैं कि प्रशासन निर्वासन के मामले में उचित कदम उठा रहा है, जबकि केवल 12 प्रतिशत को लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है और 13 प्रतिशत का मानना है कि यह अत्यधिक है।

इसके विपरीत, 73 प्रतिशत डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स-झुकाव वाले स्वतंत्र लोग मानते हैं कि प्रशासन निर्वासन के मामले में बहुत अधिक कर रहा है। केवल 21 प्रतिशत डेमोक्रेट्स को लगता है कि प्रयास पर्याप्त हैं, जबकि केवल 4 प्रतिशत मानते हैं कि प्रशासन पर्याप्त नहीं कर रहा है।

भारत को यकीन है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में एक नया अध्याय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वॉशिंगटन डी.सी., अमेरिका की आधिकारिक कामकाजी यात्रा पर पहुंचे।

यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अमेरिकी कैबिनेट के सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं से मिलेंगे।

पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला के बाद उनसे मिलने वाले चौथे विदेशी नेता होंगे।

मोदी ब्लेयर हाउस में ठहरे हैं। बुधवार शाम को प्रधानमंत्री के यहां पहुंचने पर ब्लेयर हाउस के पास बड़ी संख्या में एकत्र हुए प्रवासी भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

जाने-माने चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं, बल्कि उनकी कंपनी आईपैक के जरिए। किशोर ने पिछली बार किशोर ने द्रमुक के लिए काम किया था।

इस आधार पर राजनैतिक विश्लेषक विजय और अन्नाद्रमुक के करीब आने की संभावना से इंकार नहीं कर रहे हैं। दोनों अपने वोटों को एकजुट कर सकते है। इससे द्रमुक की चिंताएं बढ़ सकती है।

सवाल यह है कि क्या एक्टर विजय और अन्नाद्रमुक (ई. पलानीस्वामी गुट) के बीच चुनावी समझौता हो सकता है?

राजनैतिक विश्लेषक हैरान हैं कि क्या प्रशांत किशोर दोनों को करीब लाकर आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व दोनों के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन करवा सकते हैं? राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एक्टर विजय एक महीने से जनसंपर्क अभियान पर सड़कों पर घूम रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि अप्रैल में विजय तमिलनाडु का तूफानी दौरा करेंगे। युवा वर्ग को साधकर विजय तमिलनाडु की राजनीति में विपक्ष की जगह लेना चाहते हैं और अन्नाद्रमुक अपने खोए जनाधार को पुन: पाने के लिए काम कर रही है। भाजपा भी अपना जनाधार बढ़ा रही है। अगर ये तीनों अलग-अलग दिशा में आगे बढ़े तो निश्चित रूप से द्रमुक को लाभ होगा और द्रमुक नहीं चाहती कि विपक्षी ताकतों का पुनर्गठन हो।

पर, अभी तो शुरुआत है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विजय और उनकी पार्टी अकेले लड़े तो विपक्ष के वोट बंटेंगे और द्रमुक को लाभ होगा।

समरावता में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता राजेश गोस्वामी ने अदालत को बताया कि इस मामले में चार एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और ऐसे में इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों ने उप चुनावों का बहिष्कार किया था और वे शांतिपूर्वक इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन इस दौरान ही उन पर स्थानीय प्रशासनिक अफसरों व पुलिस अफसरों की ओर से दबाव बनाया गया और निर्दोष ग्रामीणों पर स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने पत्थर फेंके। मामले में कोई कार्रवाई करने की बजाय पुलिस से उनके खिलाफ ही झूठी एफआईआर दर्ज कर ली। याचिका में कहा गया कि, प्रकरण में पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। इसलिए मामले की हाईकोर्ट की मॉनिटरिंग में सीबीआई जांच कराई जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले की केस डायरी तलब की है।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी रिपोर्ट संसद में पेश

लोकसभा में जेपीसी प्रमुख जगदंबिका पाल और राज्यसभा में सांसद मेधा कुलकर्णी ने रिपोर्ट पेश की

- **इस दौरान दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों ने भारी हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।**

नई दिल्ली, 12 फरवरी। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने और लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। हालांकि, इसके बाद ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके कारण सदन की कार्यवाही रोकनी पड़ी। जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि समिति ने उनकी बात नहीं सुनी। तब इस विषय पर फिर से हंगामा हुआ।

राज्यसभा में रिपोर्ट पेश होने के बाद विपक्षी दलों के भारी हंगामा शुरू कर दिया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की। रिपोर्ट पेश होते ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दल सहित कुछ अन्य दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया। हंगामा कर रहे सांसद आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे।

हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह राष्ट्रपति का एक संदेश सदन में पेश करना चाहते हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थानों पर लौट जाने और सदन में व्यवस्था बनाने की अपील की। इसके बावजूद हंगामा जारी रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कुछ कहना चाहते थे, लेकिन सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी।

धनखड़ ने कहा कि भारत की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति पद पर आसीन पहली आदिवासी महिला का संदेश है यह और इसे सदन में पेश न होने देना उनका अपमान होगा। धनखड़ ने हंगामा कर रहे सांसदों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और उन्हें कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

सुप्रीम कोर्ट ने "अवैध पत्नी" व "रखैल" जैसे शब्दों के इस्तेमाल के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट को फटकार लगाई

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा विवाह अमान्य होना कानूनी प्रक्रिया है पर इसका अर्थ यह नहीं है कि आप महिला को अवैध पत्नी कहे।**

नई दिल्ली, 12 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को फटकार लगाई। तलाक के मामले में हाईकोर्ट ने महिला के लिए "नाजायज़ पत्नी" और "वफादार मालकिन" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। शीर्ष अदालत ने इसे महिला विरोधी बताते हुए कहा कि ऐसी भाषा न केवल संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है, बल्कि महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली भी है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के शब्दों का प्रयोग पूरी तरह अनुचित है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि किसी महिला का विवाह अमान्य घोषित किया जाना एक कानूनी प्रक्रिया हो सकती है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे "अवैध पत्नी" कहा जाए। अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 24वें पैराग्राफ में प्रयुक्त वफादार रखैल शब्द को भी कठोर शब्दों में खारिज किया।

शीर्ष अदालत ने इसे महिला अधिकारों और गरिमा का हनन बताया और कहा कि न्यायपालिका को अपने शब्दों के चयन में सतर्क रहना चाहिए, ताकि किसी भी वर्ग की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

यह मामला हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 24 और 25 से जुड़ा है। धारा 24 के तहत मुकदमे के लंबित रहने तक भरण पोषण और कार्यवाही के खर्च की व्यवस्था की जाती है, जबकि धारा 25 में स्थायी गुजारा भत्ता और भरण पोषण का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में परस्पर विरोधी विचारों पर सुनवाई कर रहा था। पीठ ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से न्यायपालिका की निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों पर सवाल उठते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की यह फटकार चर्चा में है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अदालतों को न केवल कानूनी प्रावधानों का पालन करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके निर्णय और टिप्पणियां किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन न करें। इस फैसले से न्यायपालिका में संवेदनशीलता और भाषा की शुद्धता को लेकर एक नई बहस छिड़ सकती है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 3 की मौत

- **हादसा मध्यप्रदेश के भिंड जिले के बरहा गांव के पास हुआ। इसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई व एक दर्जन लोग घायल हो गए।**

भिंड, 13 फरवरी। मध्यप्रदेश के भिंड जिले के लहार अनुविभाग के बरहा गांव के नजदीक बीहड़ में एक पुल पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गयी। दुर्घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गयी और एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए दतिया जिले के सेंवढ़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दतिया जिले के मगरौल गांव से ट्रैक्टर पर सवार होकर 30 से 40 लोग कल रात्रि एक शादी समारोह में भिंड जिले के लहार आ रहे थे। ये सभी लड़की पक्ष के लोग बताए जा रहे हैं।

गौतम अडानी ने श्रीलंका के एक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परियोजनाओं की समीक्षा कर रही है, जिन्हें अडानी समूह ने भारतीय सरकार के कूटनीतिक दबाव के तहत प्राप्त किया था।

कंपनी को दो परियोजनाओं में पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन के लिए कुल 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करना था और इसे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए ट्रांसमिशन लाइनें बिछानी थीं।

अनुरा कुमारा प्रशासन अब इस परियोजना की समीक्षा कर रहा है। क्योंकि नए राष्ट्रपति बिजली की लागत को घटाना चाहते हैं। अदानी ग्रीन एनर्जी लि. (ए.जी.ई.एल.) ने कहा, "हालाँकि, हम श्रीलंका के प्रति प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में सहयोग के लिए तैयार हैं, यदि श्रीलंका सरकार चाहती है तो।"

तथापि, कोलंबो में, श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह प्रोजैक्ट में अडानी समूह अभी भी काम कर रहा है, जिसमें उसका 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर पैसा लगा हुआ है।

ए.ई.जी.एल. को मूल रूप से श्रीलंका के मन्नार और पूनरीयन क्षेत्रों में 484 मेगावाट की कुल क्षमता वाले दो पवन फार्म विकसित करने का कार्य सौंपा गया था, जिसमें 740 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाना था।

यह परियोजना, जो 2026 के मध्य तक पूरी होने वाली थी, को पर्यावरणीय समूहों के विरोध के अलावा श्रीलंका की सुप्रीम कोर्ट में इकोलॉजिकल चिंताओं पर कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

पिछले साल मई में, श्रीलंका की पूर्व सरकार ने प्रस्तावित अडानी पवन संयंत्र से 0.0826 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोवाट-घंटा की रेट से बिजली खरीदने पर सहमति दी थी।

तथापि, नई सरकार ने अडानी समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अडानी और उनके प्रमुख सहयोगियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में आरोप लगने के बाद अनुबंध की जांच शुरू कर दी थी। अडानी समूह पर आरोप था कि भारत में रिन्युएबल एनर्जी सप्लाई का अनुबंध प्राप्त करने के लिए उसने भारत में अधिकारियों को रिश्वत दी है।

जनवरी में, नई सरकार ने अडानी का पावर पर्चेज रद्द कर दिया और जांच शुरू कर दी। इसके बाद सरकार ने लागत को 0.06 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट से नीचे लाने के लिए अनुबंध की शर्तों की समीक्षा और पुन: वार्ता करने का निर्णय लिया।

मांग को पूरा करने में असमर्थ, अडानी समूह प्रोजैक्ट से पीछे हट गया है।

समूह ने 12 फरवरी को यह कहते हुए श्रीलंकाई सरकार को अपना निर्णय सूचित किया, कि उसे यह जानकारी मिली है कि परियोजना के प्रस्ताव पर पुन: बातचीत के लिए कैबिनेट द्वारा नियुक्त दो समितियाँ गठित की जाएंगी।

ए.ई.जी.एल. के बोर्ड ने इस मुद्दे पर विचार किया और निर्णय लिया कि, कंपनी श्रीलंका के संप्रभु अधिकारों और उसके विकल्पों का पूरी तरह से सम्मान करती है, तथापि, वह इस परियोजना से सम्मानपूर्वक पीछे हटेगी।

मणिपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिंसा की घटनाओं के कारण अस्थिरता की स्थिति बनी हुई थी। राज्य में हिंसा में करीब 200 लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा करते हुए गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि "ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें इस राज्य की सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती।"

'आर.पी.एस.सी. के अफसरों के पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ताओं द्वारा तब भी अदालत में नियुक्तियों को चुनौती नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद 16 दिसम्बर 2023 को नई सरकार ने घोषणा की थी कि पिछली गहलोत सरकार में आयोजित परीक्षाओं की जांच की जायेगी। इसके फलस्वरूप राज्य सरकार ने एस.आई.टी. का गठन किया और फरवरी-मार्च 2024 में मामले में पहली एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी।

उन्होंने कहा कि अधिकतर याचिकाकर्ता इस जांच में एस.आई.टी. की सहायता भी कर रहे थे, परंतु ना तो परिणाम जारी करने के बाद, ना ही एफ.आई.आर. दर्ज किये जाने के बाद इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि याचिकाकर्ताओं ने लगभग डेढ़ साल तक कोई याचिका दायर नहीं की और जिस दिन (13 अगस्त 2024) एस.ओ.जी. की रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी गई। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अदालत से यह भी तथ्य छुपाये कि वह सभी परीक्षा में अभ्यर्थी थे और पुलिस और एस.ओ.जी में भी कर्मचारियों के पद पर नियुक्त थे। उन्होंने यह तथ्य बताकर यह बताने की कोशिश की कि याचिकाकर्ता अवांछित कारणों से प्रेरित होकर याचिका दायर कर रहे हैं और इनमें से कई याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की गुहार नहीं की है, क्योंकि वह लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण थे और वह स्वयं लाभार्थी रहेंगे अगर साक्षात्कार में कई उच्च रेंक वाले अभ्यर्थियों को हटा दिया जाये। हालांकि, सभी याचिकाकर्ताओं ने दस मई भर्ती परीक्षा-2022 को पूर्णत: रद्द करने की गुहार की है।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पहले दिन से ही राज्य सरकार ने मामले की जांच शुरू करने के लिये एस.आई.टी. गठित कर दी थी और कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए जांच करवा रही है, परंतु जांच में यह तथ्य सामने आना कि आर.पी.एस.सी. के अफसर भी पेपरलीक में शामिल हो सकते हैं या हैं, से मामला जटिल हो गया है क्योंकि आर.पी.एस.सी. के अफसरों को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कराई गई जांच के बाद ही हटाया जा सकता है। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह का कहना था कि अगर राज्य सरकार तुरंत ही परीक्षा निरस्त करती है तो गिरफ्तार किये गये अफसरों की देखरेख में आर.पी.एस.सी.द्वारा आयोजित परीक्षाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो जायेगा और फिर सरकार को उन सभी परीक्षाओं को भी निरस्त करना पड़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट के समक्ष रिट पिटीशन 13 अगस्त 2024 को दायर की गई थी लेकिन इसका रजिस्ट्रेशन 20 अगस्त को हुआ था। तथ्यों के अनुसार, 31 अगस्त को अधिकारी रामू राम रायका की पुत्री और बेटे को जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था फिर 1 सितम्बर का रामूराम रायका को गिरफ्तार किया गया था। फिर 2 सितम्बर को आर.पी.एस.सी. अफसर बाबू लाल कटारा को भी गिरफ्तार किया गया था। यहां गौर फरमाने योग्य है कि दोनों गिरफ्तारियों के बाद भी महाधिवक्ता ने 5 सितम्बर 2024 को गृह विभाग को अपनी विधिक सलाह दी थी कि परीक्षा को रद्द किया जा सकता है जो गृह विभाग को 14 सितम्बर को मिली थी।

मामले से जुड़े अधिवक्ताओं का कहना है कि महाधिवक्ता के समक्ष इस मामले की जांच और कानूनी जटिलताओं की संपूर्ण पृष्ठभूमि स्पष्ट थी और इसके बावजूद उन्होंने परीक्षाओं को रद्द करने की सलाह दी। इन अधिवक्ताओं का कहना था कि परीक्षा को रद्द करने और उसे आर.पी.एस.सी. के अफसरों को हटाने के साथ क्यों उलझाया जा रहा है। राज्य सरकार के यह रुख अपनाने से हाई कोर्ट के गलियारों में और आमजन में भी यह आशंका फैल रही है कि याचिका खारिज करते ही सरकार जांच और गिरफ्तारियों के सिलसिले में ढिलाई लायेगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार के दौरान रीट पेपर लीक को लेकर अदालत में याचिका दायर की गई थी। अदालत ने अपनी देखरेख में इसकी जांच एस.डी.जी. के अफसर अशोक राठौड़ को सौंपी थी।

सुनवाई के दौरान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के लिप्त होने का भी जिक्र किया गया था।

हालांकि अंत में अदालत ने ए.डी.जी. अशोक राठौड़ की जांच को संपूर्ण मानते हुए याचिका इस आदेश के साथ खारिज कर दी थी कि मामले की जाँच जारी रहेगी और सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जायेगा। परन्तु, याचिकाओं के बाद किसी भी बड़े अफसर या नेता की गिरफ्तारी नहीं की गई। और ना ही पेपर लीक के सरगनाओं को पकड़ा गया। वर्तमान में भी यह चर्चा होना कि याचिकाओं के खारिज करने के बाद किसी भी बड़े अफसर की गिरफ्तारी नहीं होगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908